सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 308, नई दिल्ली । गुरुवार, 16 जनवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 कांग्रेस ने बार-बार बाबा साहब अंबेडकर व संविधान का अपमान किया

06 मैथ्स सोसाइटी गणित में एक वर्ष की समीक्षा करती है

08 डबल डेकर बस बिजली के तारों में आने से चपेट, जिसका अंदेशा था वही हुआ

परिवहन विभाग ने प्रवर्तन शाखा ग्रुप डी और ग्रुप सी कर्मचारियों के लिए 21 मार्च 1997 से आज तक 5वें, 6वें, 7वें वेतन आयोग के अनुसार आर.आर.संशोधन नही किया

संजय बाटला

- परिवहन विभाग के आला अधिकारी के द्वारा गैर कानूनी तरीके से बिना आर .आर . सशोधन करें विभागीयें पदोन्नति
- मौलिक अधिकारो का हनन करने वाले अधिकारी के खिलाफ Rule 14 (14) of the CCA/CCS Rules 1965 के तहत सम्बधित धाराओं में उचित कर्यवाही होनी चाहिए।

नई दिल्ली। परिवहन विभाग के आला अधिकारी द्वारा प्रवर्तन शाखा के कर्मचारियों का 21 मार्च 1997 से आज तक वेतन निर्धारित नहीं किया।

1. 21/03/1997 से सिपाही पद पर भर्ती/ कार्यरत हूँ। विभाग द्वारा ग्रुप डी से ग्रुप सी की विभागीय पदोन्नति/ आर.आर. संशोधन करके तीन वर्ष बाद पदोन्नति करनी थी। परन्तु दिनांक 21/03/1997 से आज तक आर.आर. सशोधन नहीं किया। परिवहन विभाग के प्रवर्तन शाखा में 1997 में सिपाही पद पर वेतन 775 1150, 2610 4000 ग्रेड पे पर ग्रुप D में भर्ती डी ग्रेड कर्मचारियों का आज तक आर.आर. संशोधन नही किया गया और न ही वेतन निर्धारित किया गया।

2. पांचवा वेतन आयोग के अनुसार आर.आर. संशोधन करके वेतन निर्धारित करना और तीन वर्ष (20/03/2000) के बाद विभागीय पदोन्नती करनी थी परन्तु आज तक नही की गई।

परिवहन विभाग के आला अधिकारी के अनुसार आज तक प्रवर्तन शाखा के कर्मचारियो का आर.आर. संशोधन नही किया गया और ना ही वेतन निर्धारित किया और ना ही आर.आर. संशोधन करके किसी भी प्रवर्तन शाखा के कर्मचारियों का प्रमोशन किया।

3. परिवहन विभाग के आला अधिकारी ने 5वें, 6वें, 7वें पे कमीशन के अनुसार जानबूझ कर आज तक आर.आर. संशोधन नही किया और सभी प्रमोशन गैरकानूनी तरीके से किए है।

आपकी जानकारी के अनुसार नियमानुसार आर.आर. संशोधन के बाद पे निर्धारित किए बिना किया या कागजों में जनता को दिखाया जाने वाली पदोन्नति अमान्य है और इस तरह दिल्ली प्रवर्तन शाखा का कोई भी कर्मचारी/अधिकारी चालान नही कर सकता है। क्योंकि सभी क्लास IV के कर्मचारी है।

4. बिना आर.आर. संशोधन के प्रवर्तन शाखा के क्लास IV ग्रेड पे 1800/- के सभी कर्मचारियों से गैर कानूनी तरीके से चालान कराने वाले परिवहन विभाग के अधिकारी के खिलाफ निष्पक्ष एजेंसी द्वारा जाँच करवा कर सेक्शन - 14 के तहत उचित कार्यवाही होनी चाहिए।

5. दिनांक 21/03/1997 से आज तक ग्रेड पे 1800 से आर.आर. संशोधन 21/03/2000 (तीन वर्ष) तक नहीं करने और ग्रेड पे 1900 और विभागीय पदोन्नति नहीं करने पर कार्यवाही होनी चाहिए।

विभाग द्वारा ग्रुप डी से ग्रुप सी की विभागीय पदोन्नति तीन वर्ष बाद आर आर को संशोधन करके वेतन निर्धारित ग्रेड पे 1900/- Six Pay Commission 5 October 2006 Pay Fixation S 6 (3200-85-3950-80-4590) PAY Band 5200-20200 Garde Pay Fixation 2000/- As per Rule Six Pay Commission और 7th Pay commission के DOP&T VIDE OM NO. AB - 14017/48/2020 ESTT. (RR) DATED 31/12/2010, SUBJECT- REVIEW OF The S 7 (4000-100-6000 5200-20200) SERVICE (RRS/SRs) - reg के अनुसार आज तक लागू नही किया है। यह जाँच का विषय है। Garde Pay Fixation 2400 as per Seven Pay Commission RECRUETMENT RULE/

6. परिवहन विभाग के आला अधिकारी ने ग्रुप डी के प्रवर्तन शाखा के कर्मचारियों का प्रमोशन प्रधान सिपाही से लेकर प्रवर्तन शाखा अधिकारी तक बिना आर.आर. संशोधन कर रहा है। **ऐसे सभी गैर कानूनी तरीके से किए गए प्रमोशन संज्ञेय अपराध है और जांच का विषय है।**

मौलिक अधिकारो का हनन करने वाले अधिकारी के खिलाफ Rule 14 (14) of the CCA/CCS Rules 1965 के तहत सम्बधित धाराओं में उचित कर्यवाही होनी चाहिए।

ग्रैप-3 और 4 के प्रतिबंधों में किन वाहनों की आवाजाही पर रहेगी रोक, किन्हें छूट ?

दिल्ली-एनसीआर में पलूशन बढ़ने के साथ ही केंद्र सरकार के आयोग ने ग्रैप के तीसरे और चौथे चरण की पाबंदियां लगाने का आदेश दिया है। इस रिपोर्ट में जानें इन प्रतिबंधों के चलते किन वाहनों के परिवहन और एंट्री पर रहेगी रोक...

संजय बाटला

नईदिल्ली। दिल्ली एनसीआर में पलूशन में बेहद तेज बढ़ोतरी को देखते हुए एक बार फिर से सख्त पाबंदियों का दौर शुरू हो गया है। केन्द्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए ग्रैप (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) 3 और 4 चरण की पाबंदियों को लागू करने की घोषणा कर दी। इसके साथ ही, निर्माण व ध्वस्तीकरण कार्यों पर पाबंदी लग गई है। इस रिपोर्ट में जानें किन वाहनों के परिवहन और एंट्री पर रहेगी रोक, किन्हें मिलेगी छूट...

बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों पर रोक

ग्रेप-3 की पाबंदियों के तहत बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों के परिवहन पर दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर में प्रतिबंध रहेगा। हालांकि दिव्यांग व्यक्तियों को ले जाने वाले वाहनों को छूट रहेगी।

बीएस-3 और उससे नीचे के माल वाहक वाहनों पर प्रतिबंध

ग्रेप-3 की पाबंदियों के तहत जरूरी वस्तुओं की ढुलाई में लगे और जरूरी सेवाएं प्रदान कर रहे वाहनों को छोड़कर दिल्ली में बीएस-3 मानक या उससे नीचे के दिल्ली में रजिस्टर्ड डीजल से चलने वाले मध्यम माल वाहक वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा।

बाहरी राज्यों के बीएस 3 वाहनों पर भी बैन

यही नहीं ग्रैप तीन के तहत ही जरूरी वस्तुओं में लगे वाहनों को छोड़कर दिल्ली में बाहरी राज्यों से बीएस 3 और उससे नीचे के डीजल से चलने वाले हल्के कॉमर्शियल वाहनों के प्रवेश पर भी बैन रहेगा। दिल्ली से बाहर पंजीकृत बीएस चार व उससे नीचे के डीजल संचालित एलसीवी (गूड्स करियर) वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर रोक रहेगी।

इन वाहनों को छूट

हालांकि जरूरी वस्तुओं-सेवाओं में लगे वाहनों को छूट दी जाएगी। ग्रैप तीन के तहत एनसीआर के राज्यों से केवल इलेक्ट्रिक वाहनों, सीएनजी, और बीएस-4 डीजल बसों को दिल्ली में दाखिल होने की छूट रहेगी।

दिल्ली में ट्रकों के प्रवेश पर पाबंदी

वहीं ग्रेप-4 की पाबंदियों के तहत दिल्ली में ट्रकों के प्रवेश पर पाबंदी रहेगी। यह पाबंदी सोमवार सुबह आठ बजे से लागू होगी। हालांकि जरूरी वस्तुओं और सेवाओं में लगे ट्रकों को पाबंदियों से छूट रहेगी।

बाहर के हल्के कमर्शियल वाहनों पर भी रोक

हालांकि एलएनजी, सीएनजी, इलेक्ट्रिक और बीएस-6 मानकों वाले डीजल संचालित ट्रक दिल्ली में दाखिल हो सकेंगे। दिल्ली के बाहर के लाइसेंस वाले हल्के कमर्शियल वाहनों को भी दिल्ली में दाखिल होने की अनुमति नहीं होगी।

ये वाहन कर सकेंगे आवाजाही

ग्रेप-4 की पाबंदियों के तहत इलेक्ट्रिक वीकल, सीएनजी और बीएस-6 मानकों वाले डीजल से चलने वाले वाहनों को दिल्ली में दाखिल होने की छूट रहेगी। जरूरी वस्तुओं और सेवाओं में शामिल वाहन भी दिल्ली में आवाजाही कर सकेंगे। दिल्ली में रजिस्टर्ड बीएस-4 और इससे नीचे के डीजल से चलने वाले मध्यम माल वाहन और भारी वाहन के आवागमन पर भी रोक रहेगी। हालांकि जो वाहन जरूरी काम और सेवाओं में लगे हैं उन्हें आवाजाही की इजाजत होगी।

बे-बस दिल्ली: सार्वजनिक परिवहन सेवा बड़ा मुद्दा, निजी वाहन ही बने सहारा; मोहल्ला बस योजना पर काम नहीं

दिल्ली-एनसीआर की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए तैयार की गई रिंग रेल परियोजना पर काम ठीक से नहीं किया जा रहा है। दिल्ली के प्रदूषण में वाहनों के धुएं का हिस्सा ज्यादा है, ऐसे में जोर दिया जाता है कि सार्वजनिक परिवहन सेवा मजबूत की जाए, ताकि सड़कों पर निजी वाहनों की संख्या कम हो।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। राजधानी में सार्वजनिक परिवहन सेवा बड़े मुद्दों में से एक है, लेकिन इसे लेकर जमीनी स्तर पर ठोस योजना बनाकर काम नहीं किया जा रहा है। कहने को तो कागजों में योजनाएं ढेरों हैं, लेकिन समय पर योजनाओं को परवान नहीं चढ़ाया जा सका है। ऐसे में विधानसभा चुनाव में सार्वजनिक परिवहन सेवा का मुद्दा चर्चा में है। सभी पार्टियां इसे लेकर अपने-अपने दावे कर रही हैं। सार्वजनिक परिवहन सेवा के दुरुस्त होने से न सिर्फ आवागमन आसान होगा, बल्कि वायु प्रदूषण पर भी लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

मौजूदा समय में दिल्ली की सड़कों से बसों की संख्या लगातार घट रही है। नई बसों की खेप बीते साल जुलाई से नहीं आई हैं। मोहल्ला बस योजना पर भी काम नहीं हो पाया है। दूसरी तरफ दिल्ली-एनसीआर की कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए तैयार की गई रिंग रेल परियोजना पर काम ठीक से नहीं किया जा रहा है। दिल्ली के प्रदूषण में वाहनों के धुएं का हिस्सा ज्यादा है, ऐसे में जोर दिया जाता है कि सार्वजनिक परिवहन सेवा मजबूत की जाए, ताकि सड़कों पर निजी वाहनों की संख्या कम हो।

हालांकि, ये हो नहीं पा रहा है। हर विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दल परिवहन सेवा को बेहतर बनाने का दावा करते हैं, लेकिन ऐसा होता नहीं है। स्थिति यह है कि तमाम प्रयासों के बाद भी सार्वजनिक बस सेवा की कमी पूरी नहीं हो रही। पुरानी बसें भी चलाई जा रही हैं, जो रास्ते में खराब हो जाती हैं। बसों की कमी का शहर की यातायात व्यवस्था पर भी असर पड़ रहा है। बसें कम होने के कारण लोग निजी वाहनों का सहारा ले रहे हैं। इससे सड़कों पर जाम लगने से लोग परेशान होते हैं।

मानक से कम है बसों की संख्या

मौजूदा समय में दिल्ली में प्रति लाख जनसंख्या पर लगभग 45 बसें संचालित होती हैं, जो आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के प्रति लाख जनसंख्या 60 बसों के मानक से कम है। राजधानी में फिलहाल डीटीसी की 4,536 बसें सड़कों पर चल रही हैं। इसमें 2966 सीएनजी बसें और 1,570 ई-बसें हैं। वहीं, दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टीमॉडल ट्रांजिट सिस्टम (डिम्ट्स) की ओर से 3,147 बसें संचालित की जा रही हैं।

वादों के ट्रैक पर दौड़ रही रिंग रेल

दिल्ली की रिंग रेल राजनीतिक दलों के वादों के ट्रैक पर दौड़ रही है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान सभी सियासी दलों ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में इसका वादा तो जरूर किया, लेकिन अब तक दिल्ली की लाइफ लाइन नहीं बन सकी। 35 किलोमीटर लंबा रिंग रेल नेटवर्क दिल्ली ही नहीं फरीदाबाद, पलवल, गाजियाबाद व अन्य शहरों से दिल्ली आने-जाने वाले यात्रियों के लिए भी यह लाभदायक साबित हो सकता है।

नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर आम पैसेंजर ट्रेनों के आवागमन में कोई दिक्कत न आए इसे ध्यान में रखकर 1975 में दिल्ली में रिंग रोड के समानांतर रिंग रेल की पटरी बिछाई गई थी। मालगाड़ी चलाने की शुरुआत के साथ ही 1982 में एशियाई खेलों के दौरान इस नेटवर्क पर कुल 36 लोकल ट्रेन चलने लगी थी। अब प्रतिदिन पांच जोड़ी ट्रेनें चलती हैं। वह भी अधिकांश खाली रहती है। प्रतिदिन इस ट्रैक से 70 मालगाड़ियां गुजरती हैं।

दिल्ली में निजी वाहनों को कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करना होगा। इसके लिए सर्वप्रथम लास्ट माइल कनेक्टिविटी के लिए काम करना पड़ेगा। वाहन व्यवस्थित हो चालकों का व्यवहार सौम्य हो। सुरक्षा की व्यवस्था हो। -अतुल रंजीत कुमार, राष्ट्रीय महासचिव, सड़क सुरक्षा संस्था गुरु हनुमान सोसाइटी ऑफ भारत

रिंग रेलवे को पुनर्जीवित किया जाना चाहिए। 15 मिनट के अंतर पर ट्रेनों का संचालन होना चाहिए। रोजाना सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक छह महीने के लिए ट्रायल बेसिस पर ट्रेनों का संचालन किया जाए। इससे डीटीसी बस टर्मिनलल की भी व्यवस्था होनी चाहिए। - वाईएस राजपूत, पूर्व अधिकारी, भारतीय रेल

क्या आपको पता है कुंभ, अर्ध कुंभ, पूर्ण कुंभ और महा कुंभ में अंतर क्या है ?

कुंभ मेला एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है, जो हर 12 वर्ष में आयोजित किया जाता है। यह मेला चार अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किया जाता हैः हरिद्वार, इलाहाबाद, उज्जैन और नासिक।अर्ध कुंभ मेला अर्ध कुंभ मेला कुंभ मेले के बीच में आयोजित किया जाता है, यानी हर 6 वर्ष में। यह मेला भी चार अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किया जाता हैः हरिद्वार, इलाहाबाद, उज्जैन और नासिक।पूर्ण कुंभ मेला हर 12 वर्ष में आयोजित किया जाता है, जब बृहस्पति और सूर्य कुंभ राशि में होते हैं। यह मेला बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है और इसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं।महा कुंभ मेला हर 144 वर्ष में आयोजित किया जाता है, जब बृहस्पति और सूर्य कुंभ राशि में होते हैं और चंद्रमा भी कुंभ राशि में होता है। यह मेला बहुत ही दुर्लभ और महत्वपूर्ण माना जाता है और इसमें करोड़ों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इन बातों से यह स्पष्ट होता है कि कुंभ, अर्ध कुंभ, पूर्ण कुंभ और महा कुंभ में अंतर होता है, जो उनके आयोजन की आवृत्ति और महत्व पर आधारित होता है।

महाकुंभ 2025 की पूर्ण जानकारीः- महाकुंभ 2025 का आयोजन प्रयागराज में किया जाएगा। यह आयोजन 29 जनवरी 2025 से शुरू होगा और 08 मार्च 2025 तक चलेगा।

महाकुंभ मेले की तिथि ज्योतिषीय गणनाओं के आधार पर तय होती है। इसमें सूर्य और बृहस्पति (गुरु) ग्रहों की स्थिति का विशेष महत्व है।महाकुंभ 2025 के दौरान शाही स्नान की तिथियां इस प्रकार हैंः-

1. 13 जनवरीः पौष पूर्णिमा
2. 14 जनवरीः मकर संक्रांति
3. 29 जनवरीः मौनी अमावस्या
4. 03 फरवरीः वसंत पंचमी
5. 04 फरवरीः अचला सप्तमी
6. 12 फरवरीः माघ पूर्णिमा
7. 08 मार्चः महा शिवरात्रि महाकुंभ मेले का महत्व हिंदू धर्म में बहुत अधिक है। यह मेला प्रत्येक 12 वर्ष में आयोजित किया जाता है और इसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं।

यही कुंभ है ..।

यह सत्य का उदघोष है, सनातन संस्कृति का प्रभाव है,
आस्था की डुबकी में हमारी विरासत है
संस्कारों में हमारा धर्म है,
यही कुंभ है ।

सनातन की धरोहर कहें या,
संस्कृति का अटूट प्रयास
हिन्दू होने की जिम्मेदारी है,
शाही स्नान व पर्वों की सार्थकता से प्रफुल्लित होता प्रयाग,
यही कुंभ है ।

यह सैलाब है जनसमुदाय का,
साधु-संत-तपस्वीयों की आस्था का
जीवन को आत्मचिंतन की राह दिखाता है,
यही कुंभ है ।

ज्ञानी, दानी और ध्यानियों की भूमि है यह,
धर्म की यह पावन भूमि संगम है यह
तीन नदियों की त्रिवेणी है प्रयागराज,
गंगा की अविरल धारा जहाँ बहती है
यही कुंभ है ।

धर्म की राह पर चलने वालों को,
इस महाकुंभ में गंगा में डुबकी लगाना है।
भारत की पुण्य भूमि पर हमें,
पवित्र गंगा में डुबकी लगाना है।
क्योंकि, यही कुंभ है ॥

हरिहर सिंह चौहान जबरी बाग़ नसिया इन्दौर मध्यप्रदेश

सौभाग्य सुंदरी व्रत

सौभाग्य सुंदरी व्रत सुहागिन का त्यौहार रहा है यह व्रत सौभाग्य की कामना व संतान सुख की प्राप्ति हेतु किया जाता है। यह व्रत सौभाग्यवती स्त्रियों के लिए अखण्ड सौभाग्य का वरदान होता है और उन्हें संतान का सुख देना वाला होता है। इस व्रत को करने से विवाहित स्त्रियों के सौभाग्य में वृद्धि होती है। दांपत्य दोष, विवाह न होना या देर होना तथा मंगली दोष को दूर करने वाला होता है। सौभाग्य सुंदरी व्रत स्त्रियों के लिए मंगलकारी होता है। इसी दिन माता सती ने अपनी कठोर साधना और तपस्या द्वरा अभगवान शिव को पाने का संकल्प किया था जिसके फलस्वरुप भगवान शिव उन्हें पति रुप में प्राप्त होते हैं। इसी प्रकार अपने पुर्नजन्म पार्वती रुप में भी उन्होंने पुन: शिव को पति रुप में पाने के लिए घोर साधना कि कठिन परीक्षा को सफलता से पूर्ण कर लेने पर ही प्रभु ने उन्हें पुन: वरण किया और शिव-पार्वती का विवाह संपन्न हुआ इसलिए माँ पार्वती की भांति स्वयं के लिए उत्तम वर का चयन करने हेतु सौभाग्य सुंदरी व्रत की पौराणिक महत्ता परिलक्षित होती है। इस व्रत के प्रभाव से अखंड सौभाग्यवती होने का आशिर्वाद प्राप्त होता है।

सौभाग्य सुंदरी पूजा सौभाग्य सुंदरी पूजन में माता गौरी और शिव भंगवान की पूजा कि जाती है साथ ही उनके समस्त परिवार का पूजन होता है। पूजन सामग्री में फूलों की माला, फल, भोग के लिए लड्डू, पान, सुपारी, इलायची, लोंग तथा सोलह श्रंगार की वस्तुएं, जिम्में लाल साडी, चूडियां, बिंदी, कुमकुम, मेंहदी, आलता, पायल रखते हैं इसके अतिरिक्त सूखे मेवे, सात प्रकार के अनाज रखे जाते हैं। व्रत का आरंभ करने वाली महिला प्रात:काल उठकर समस्त दैनिक क्रियाओं से निवृत होकर का संकल्प सहित प्रारम्भ करती हैं। भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति या फोटो को लाल रंग के कपडे से लिपेट कर, लकड़ी की चौकी पर रखा जाता है। इसके बाद एक दीया भगवान के सम्मुख प्रज्ज्वलीत किया जाता है। सर्वप्रथम श्री गणेश जी का पूजन किया जाता है। पूजन में श्री गणेश पर जल, रोली, मौली, चन्दन, सिन्दूर, सुपारी, लोंग, पान,चावल, फूल, इलायची, बेलपत्र, फल, मेवा और दक्षिणा चढाते हैं। इसके पश्चात नौ ग्रहों की पूजा की जाती है। अब समस्त शिव परिवार का पूजन होता है देवी के सम्मुख सभी सौभाग्य की वस्तुएं अर्पण कि जाती हैं। देवी की प्रतिमा को जल, दूध, दही से स्नान करा, वस्त्र आदि पहनाकर रोली, चन्दन, सिन्दुर, मेंहन्दी लगाते है। श्रृंगार की सोलह वस्तुओं से माता को सजाया जाता है। फिर मेवे, सुपारी, लौंग, मेंहदी, चूडियां चढाते है। पूजा संपन्न होने के उपरांत ब्राम्हाण को दान व दक्षिणा दी जाती है।

सौभाग्य सुंदरी व्रत का महत्व इस दिन महिलाएं मनोनुकूल पति और पुत्र प्राप्ति के लिए इस व्रत को करती हैं। महिलाएं इस दिन तिल मिश्रित जल से शिव-पार्वती को स्नान करा कर यथोचित वस्त्र-स्वर्णाभूषण आदि से पूजा करते हुए मंत्र जाप करती हैं। व माँ से प्रार्थना की जाती है कि हे माता आप मेरे पापों का नाश करें मुझे सौभाग्य प्रदान करें और मुझे सर्वसिद्धियां प्रदान करें। व्रत व्यक्ति के सुख-सौभाग्य में वृद्धि करता है। सौभाग्य से जुड़े होने के कारण इस व्रत को विवाहित महिलाएं और नवविवाहित महिलाएं करती है। इस उपवास को करने का उद्देश्य अपने पति व संतान के लम्बे व सुखी जीवन की कामना करना है। जिन महिलाओं की कुण्डली में वैवाहिक सुख में कमी या विवाह के बाद अलगाव जैसे अशुभ योग बन रहे हों, उन महिलाओं को भी यह व्रत विशेष रुप से करना चाहिए। इस व्रत के विषय में यह मान्यता है, कि यह उपवास नियम अनुसार किया जायें तो वैवाहिक सुख को बढाता है, तथा दांम्पत्य जीवन को सुखमय बनाये रखने में सहयोग करता है।

सौभाग्य सुंदरी व्रत कथा पार्वती माता की दो जया-विजया नाम की सखियां थी। एक दिन मुनि कन्याओं ने उनसे पूछा कि आप दोनों तो सदा देवी पार्वती के साथ रहती हैं। आपको तो सब पता होगा कि उनको क्या प्रिय है और किस मंत्र, कथा और उपाय से वो प्रसन्न होती हैं।

इसका जवाब देते हुए जया बोली कि मैं तुम दोनों को इस विषय में सब बताती हूं। सौभाग्य सुंदरी व्रत के दिन प्रात: काल सभी कार्यों से निवृत होकर स्वच्छ, वस्त्र आभूषणों को धारण करें। मंदिर में देवी पार्वती के लिए एक वेदी बनाएं फिर उसे सुन्दर और सुगंधित पुष्पों से सजाएं।

सर्वप्रथम वहां अपने पित्रों को नमन करें। फिर गणेश व नवग्रह आदि के पूजन से पूजा का आरम्भ करें। फिर देवी के आठ नामों से उनका पूजन करें। हल्दी-कुमकुम, कपूर और चन्दन का लेप लगाएं। इसके बाद देवी का रात्रि जागरण करें।

अगले दिन सुबह उठकर स्नानादि कर पवित्र हो देवी को अर्पित की हुई सारी सामग्री सुहागिन स्त्रियों में बांट दें। इस प्रकार सौभाग्य सुंदरी व्रत को करने वाली स्त्रियां अखण्ड सौभाग्यवती होने का वरदान देवी से प्राप्त करती है।

मान्यता है कि जो भी स्त्री इस प्रकार व्रत करती हैं, उसके सुहाग की रक्षा स्वयं माता पार्वती करती हैं। इस व्रत का प्रभाव इतना अधिक है कि इस व्रत को करने से दांपत्य दोष के साथ ही मांगलिक दोष भी दूर होता है।

शाकाहारी होने के 10 अद्भुत फायदे

1. उम्र बढ़ाता है

हालांकि ऐसे कई कारक हैं जो एक बढ़े हुए जीवनकाल के लिए जिम्मेदार होंगे और शाकाहारी भोजन को अपनाना एक ऐसा कारक है जिसका आप अनुसरण कर सकते हैं। जितना अधिक आप फल या सब्जियां खाते हैं, आपके शरीर में विष और रसायन का निर्माण उतना ही कम होता है, इस प्रकार अधिक स्वस्थ वर्ष और लंबी उम्र की सुविधा होती है।

2. कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करें

मानो या न मानो लेकिन पशु वसा खाने से कोई स्वास्थ्य लाभ नहीं होता है। चूंकि कोलेस्ट्रॉल केवल पशु खाद्य पदार्थों से आता है, शाकाहारी आहार कोलेस्ट्रॉल मुक्त होते हैं। यद्यपि कोलेस्ट्रॉल प्रत्येक मानव कोशिका का एक आवश्यक घटक है, शाकाहारियों को पर्याप्त कोलेस्ट्रॉल नहीं मिलने के बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि शरीर शाकाहारी खाद्य पदार्थों से आवश्यक सभी कोलेस्ट्रॉल बना सकता है। कोरियाई शोधकर्ताओं ने शाकाहारी भोजन का पालन करने के दीर्घकालिक प्रभावों की जांच करने के बाद निष्कर्ष निकाला कि शाकाहारियों में मांसाहारियों की तुलना में शरीर में वसा और कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम था।

3. स्ट्रोक और मोटापे का कम जोखिम

शाकाहारी अपने भोजन के विकल्पों में अधिक सचेत होते हैं और आमतौर पर भावनाओं के आधार पर कभी भी भोजन नहीं करते हैं या भोजन नहीं करते हैं; दो प्रथाएँ जो मोटापे में बहुत योगदान देती हैं। बेल्जियम में यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल गेन्ट डिपार्टमेंट ऑफ पीडियाट्रिक्स का कहना है कि वीगन डाइट अपनाना स्ट्रोक होने या मोटे होने की संभावना को कम करने का एक अच्छा तरीका है।

4. मधुमेह के खतरे को कम करता है

मांसाहारी आमतौर पर खपत के तुरंत बाद रक्त शर्करा के अत्यधिक स्तर का अनुभव करते हैं, कभी-कभी बहुत अधिक। इससे बचा जा सकता है और रक्त शर्करा के निरंतर प्रवाह को बनाए रखा जा सकता है यदि मांसाहारी लोग शाकाहारी भोजन पर स्विच करें। एक स्वस्थ शाकाहारी आहार आसानी से अवशोषित होता है, पौष्टिक होता है और इसमें फैटी एसिड कम होता है।

5. स्वस्थ त्वचा देता है

यदि आप स्वस्थ त्वचा की इच्छा रखते हैं तो आपको भरपूर मात्रा में पानी के साथ सही मात्रा में विटामिन और खनिज खाने की आवश्यकता है। हम जो फल और सब्जियां खाते हैं वे विटामिन, खनिजों से भरपूर होते हैं और इनमें पर्याप्त मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं। इसके अलावा, क्योंकि वे पानी आधारित होते हैं, यदि आप उन्हें कच्चा खाते हैं तो यह स्वस्थ पोषक तत्वों के सेवन में और सुधार कर सकते हैं। कई शाकाहारी खाद्य पदार्थ भी एंटीऑक्सिडेंट के समृद्ध स्रोत हैं जो आपको स्वस्थ त्वचा के साथ रोग मुक्त रहने में मदद करते हैं।

6. उच्च फाइबर सामग्री

फलों और सब्जियों में उच्च फाइबर सामग्री भी होती है, जो उचित पाचन के लिए आवश्यक होती है। यह शरीर के चयापचय में सुधार करने में मदद करता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों और अन्य रसायनों को तेजी से खत्म करने में मदद करता है। शाकाहारी भोजन आमतौर पर पानी आधारित होता है, जो शरीर में आवश्यक तरल पदार्थ को बनाए रखने में मदद करता है।

7. डिप्रेशन को कम कर सकता है

शोधों के अनुसार, एक शाकाहारी मांसाहारी समकक्षों की तुलना में अधिक खुश हो सकता है। यह भी पता चला कि मांस या मछली खाने वालों की तुलना में शाकाहारी लोगों के अवसाद परीक्षण और मूड प्रोफाइल पर कम अंक थे। इसके अलावा, अधिकांश शाकाहारी खाद्य पदार्थों में ताजगी का एक तत्व होता है, खासकर जब जैविक उत्पादों की बात आती है बात आती है । तो यह हमारे मन को शुद्ध करने और हमारे विचारों को सकारात्मक रखने के लिए बाध्य है।

8. मेटाबॉलिज्म में सुधार करता है

शाकाहारी भोजन पचने में आसान होता है और यह व्यक्ति के चयापचय को अच्छी स्थिति में रखता है। साथ ही, शाकाहारी भोजन करने वाले लोगों में आराम करने वाली चयापचय दर या आरएमआर काफी अधिक होती है। आपको पता होना चाहिए कि आरएमआर का किसी व्यक्ति के चयापचय के साथ सीधा संबंध है - इसका मतलब है कि जितना अधिक आरएमआर होता है, उतनी ही तेजी से वसा जलती है और इसके विपरीत।

9. मोतियाबिंद के विकास के जोखिम को कम करता है

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में क्लिनिकल मेडिसिन के नफ़िल्ड विभाग द्वारा किए गए शोध के अनुसार, मोतियाबिंद और हमारे आहार के विकास के जोखिम के बीच एक मजबूत संबंध है- मांसाहारी या मांस खाने वालों पर पड़ने वाला उच्च जोखिम और शाकाहारी होने का सबसे कम जोखिम।

10. यह किफायती है

अंतिम लेकिन कम नहीं, अगर आप शाकाहारी भोजन का पालन करते हैं तो आप अच्छी खासी रकम बचा रहे हैं। शाकाहारी भोजन की तुलना में मांसाहारी भोजन निस्संदेह महंगा है। इसलिए अब चुनाव पूरी तरह से आपका है।

हृदय रोगियों के लिए चिन्तामणि रस

बनाने का तरीका शुद्ध पारद, शुद्ध गन्धक, अभ्रक भस्म, लौह भस्म, बंग भस्म, शुद्ध शिलाजीत सूखा और अम्बर प्रत्येक 1-1 तोला, स्वर्ण भस्म चौथाई तोला, मोती पिष्टी और रौप्य भस्म प्रत्येक आधा-आधा तोला लें।. प्रथम पारा-गन्धक की कज्जली कर उसमें अम्बर, शिलाजीत तथा अन्य भस्में मिलाकर चित्रक की जड़ के क्वाथ में तथा भाँगरे के स्वरस में 1-1 दिन मर्दन करें। पीछे अर्जुन वृक्ष की छाल के क्वाथ में सात दिन मर्दन करके 1-1 गुंजा (रत्ती) की गोलियाँ बना, छाया में सुखा कर शीशी में रख लें।

मात्रा और अनुपान 1-1 गोली सुबह-शाम शहद में चटा कर ऊपर से बला (बरिपार) की जड़ का क्वाथ पिलावें।

वक्तव्य खमीरे गावजवाँ, आँवला मुरब्बा, सेब का मुरब्बा, दूध, च्यवनप्राश आदि अनुपानों के साथ में सेवन कराने से भी यह रसायन बहुत अच्छा लाभ करता है।

गुण और उपयोग सब प्रकार के हृदय रोग, हृदय शूल और हृदय की बढ़ी हुई गति में अत्यन्त लाभदायक है। वातवाहिनियों की निर्बलता, हिस्टीरिया आदि में इसका प्रयोग करना उत्तम है। हृदय रोग के साथ, यकृत-शोथ और उदर-रोग हो तो इसके साथ आरोग्यवर्द्धिनी बटी मिला कर देना चाहिए। इससे अच्छा लाभ होता है। रक्तचाप-वृद्धि और हृदय की दुर्बलता के कारण बढ़ी हुई हृदय की धड़कन को मिटा कर दिल को मजबूत बनाने और रक्तचाप को शमन करने में प्रवालचन्द्रपुटी या मोती पिष्टी के साथ इसके सेवन से बहुत श्रेष्ठ लाभ होता है।

मीराबाई की कल्पना में श्याम सुन्दर जी

मीराबाई जी यमुना किनारे जल लेकर लौट रही है धीरे-धीरे भाव जगत में खो गयी उनके नेत्र इधर उधर निहार कर अपना धन खोज रही है । निराशा ,आशा उनके पद उठने नही देती ।

निराशा कहती है की "अब नही आयेंगे वो , चल घर चल " और आशा कहती है की "यही कही होंगे अभी आ जायेंगे , नैन मन ठंडे कर ले " मीराबाई जी सोच रही की घर जाने पर संध्या पूर्व दर्शन - लाभ की आशा नहीं! इसी भाव से दो पद शीघ्र और चार पद धीमे चलती जा रही थी की किसी ने उसके सर से कलशी उठा ली।

मीराबाई जी ने अचकचाकर उपर देखा तो एक कदम्ब पर एक हाथ से डाल पकड़े और एक हाथ में कलशी लटकाए श्याम सुन्दर जी बेठे हंस रहे हैं.

हीरक दन्त प्रवाल अधरों की आभा पा तनिक रक्ताम्भ हो उठे है और अधरों पर दन्त पंक्ति की उज्ज्वलता झलक रही है। नेत्रों में अचगरि जैसे मूरत हो गयी। लाज के मारे मीराबाई जी की द्रष्टि ठहरती नही, लजा निचे और प्रेम-उत्सुकता उपर देखने को विवश कर रही है ।

कलशी से ढले पानी से वस्त्र और सर्वांग आर्द्र हैं। "कलशी दे दो" यह कहते हुए भी नहीं बन पा रहा है। श्याम सुन्दर जी एकदम वृक्ष से उसके समुख कूद पड़े मीराबाई जी चोंक कर चीख पड़ी साथ ही उन्हें देख कर लजा गयी. मीराबाई जी के गाल कर्ण लाल हो गए।

श्री श्याम सुन्दर जी बोले- " डर गयी न ?" उन्होंने हंस कर पूछा और हाथ पकड कर कहा " चल आ थोड़ी देर बैठ कर बातें करे।" वृक्ष ताल की एक शिला पर दोनों बैठ गए।

श्याम सुन्दर जी बोले- " क्या लगा तुझे कोई वानर अथवा भल्लुक कूद पड़ा है न। श्याम सुन्दर जी ने उनकी मुखडी थोड़ी ऊँची करते हुए पूछा - " मैं क्या करूँ ।

बोलेगी नहीं तो मैं और सताउंगो। तेरी यह मटुकिया हे न याको फोड़ देउंगो और ..... और ..... का करुंगो. ?"

श्याम सुन्दर जी ने सोचते हुए एक दम से कहा - "-- तेरी नाक खीच दुंगो और....." श्याम सुन्दर जी की ऐसी बातो पर मीराबाई जी को हसीं आ गयी , और श्याम सुन्दर जी भी हँसने लगे!

मीराबाई जी से पूछा - " अभी क्या पानी भरने का समय है? दोपहर में घाट नितांत सुने रहते है , जो कहूँ सचमुच भल्लुक आ गयो तो .....? "

मीराबाई जी बोली - " तुम हो न"

श्याम सुन्दर जी ने कहा - मैं क्या यहाँ बैठा ही रहूँगा? गोए नहीं चरानी मुझे ?"

मीराबाई जी ने सर झुकाते हुए कहा - " एक बात कहूँ ?"

श्याम सुन्दर जी बोले - " एक नहीं सौ कह। पर सर तो उचा कर । तेरो मुख ही नहीं दिखे रहो मोहे।" मीराबाई जी ने मुख ऊँचा किया और फिर से लाज ने आ घेरा

श्याम सुन्दर जी ने कहा - " अच्छा ! अच्छा ! मुख निचे ही रहने दे,कह क्या बात है?"

मीराबाई जी ने बहुत कठिनाई से बोंला- " तुम्हे कैसे प्रसन्न किया जा सकता है ?"

श्याम सुन्दर जी ने कहा - " तो सखी मैं तुम्हे अप्रसन्न दिखाई दे रहा हूँ ? " पर मेने तेरी मटकिया ले ली तो कौन्सो गंगा स्नान कराय दियो , यही ?

" मीरा "यह नही.....!

श्याम सुन्दर जी- " फिर कहा भयो ? तेरो घडोफोड़ दुंगो यही ?

मीराबाई जी- " नाय !"

श्याम सुन्दर जी- "तो फिर तू बतावे क्यों नाय ? कबकी यह नाय वह नाय किया जा रही है ?"

मीराबाई जी ने शर्माते हुए कहा - " सुना है तुम प्रेम से वस होते हो ?"

श्याम सुन्दर जी- "मोकु वश करके का करेगी सखी ! नाथ डालोगी के पैर बंदोगी ? मेरे वश हुए बिना तेरो के काज अटक्यो है भला ?"

मीराबाई जी - " वो नाय "

श्याम सुन्दर जी- "बाबा रे बाबा ! तो से तो भगवान ही हार जायं " श्याम सुन्दर जी कहने लगे- " कासे पूछ रयो हूँ ? पुरो मुख ही नाय खुले बात पूरी नाय कहोगी तो में भोरो , भारो कैसे समझुंगो ?"

मीराबाई जी ने आँख मूँदकर पूरा जोर लगाकर कहा दिया - " की सुनो श्याम सुन्दर ! मुझे तुम्हारे चरणों में अनुराग चाहिए ।

" श्याम सुन्दर जी ने अनजान हो कर पूछा - " सो कहा होय सखी ?"

मीराबाई जी की विश्वता पर अपनी आखों में आँसू भर आये , घुटनों में सिर देकर रो पड़ी।

श्याम सुन्दर जी बोले - " रोवै मत ना " ये कहते हुए अपनी बांहों मे भर मीराबाई जी के सिर पर अपना कपोल रखते हुए कहा - " और अनुराग कैसो होवे री .....? "

श्याम सुन्दर जी ने कहा - " अब तुम्हारे सुख की इच्छा क्या है ? अब तू मोको दुःख दे रही हो" श्याम सुन्दर जी हंस कर दूर जा खड़े हुए , मीराबाई जी ने आचार्य से देखा।

श्याम सुन्दर जी- " ऐ.... ? ले अपनी कलशी बावरी कहिकी ". ये कहते हुए कलशी मीरा के सर पर रख कर वन की और दोड़ गए , और मीराबाई जी ठगी सी बैठ रही..!!!

महिला सशक्तिकरण की दौड़ जीतती भारतीय रेलवे

(पुरुषों के गढ़ तोड़ने वाली ३प्रथम महिलाओं३ को पहचानने की आवश्यकता)

कैबिनेट द्वारा स्वीकृत नियुक्तियों के नवीनतम दौर के साथ पहली बार रेलवे बोर्ड में महिलाएँ ड्राइवर की सीट पर हैं। कांच की छत को तोड़ते हुए, रेलवे बोर्ड का नेतृत्व पहले से ही एक महिला द्वारा किया जा रहा है, अब संचालन और व्यवसाय विकास के प्रभारी एक महिला सदस्य हैं और उसी रैंक की एक अन्य महिला सदस्य वित्त सदस्य के रूप में वित्त की देखभाल करती हैं। महिला सशक्तिकरण को प्रेरित करने के एक अन्य तरीके में, भारतीय रेलवे ने एक पूरी ट्रेन और रेलवे स्टेशन महिलाओं को समर्पित करना शुरू किया। मणिनगर रेलवे स्टेशन (गुजरात) और माटुंगा रोड स्टेशन (मुंबई, महाराष्ट्र) का प्रबंधन महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। महाराष्ट्र के नागपुर में स्थित अजनी रेलवे स्टेशन की सफाई, ट्रैक की खराबी का पता लगाने और उनकी मरम्मत के लिए महिला ट्रैक मेंटेनर काम करती हैं।

-प्रियंका सौरभ

महिलाओं का सशक्तिकरण शायद 20वीं सदी के बाद से सबसे ज़्यादा परिभाषित करने वाला आंदोलन है। हम ऐसी महिलाओं की प्रेरक कहानियाँ सुनते हैं जिन्होंने पुरुष-प्रधान भूमिकाओं में अपनी छाप छोड़ी है, जैसे सार्वजनिक जीवन और सरकार में, उद्योग के कप्तान के रूप में और खेल में। आज जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएँ अग्रणी हैं और हर बीतते साल के साथ उनकी संख्या बढ़ती जा रही है और फिर भी, भारतीय रेलवे के कर्मचारियों में केवल 6-7% महिलाएँ हैं। आज संख्या चाहे जो भी हो, पुरुष-प्रधान क्षेत्रों की उथल-पुथल में क़दम रखने वाली ३प्रथम महिलाओं३ को पहचाने जाने की आवश्यकता है। वे अग्रणी, साहसी थीं और इस नए क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए उनमें अपार साहस था। 19वीं शताब्दी में घर से बाहर काम करना महिलाओं के लिए बुरा माना जाता था: पुरुष कर्मचारी प्रतिस्पर्धा से डरते थे, जबकि मध्यम वर्ग की महिलाएँ गृहिणी और शिक्षिका के रूप में पहचान चाहती थीं। न ही पुरुषों और महिलाओं को एक ही परिसर में मिलाना उचित माना जाता था। सामाजिक रीति-रिवाज सख्त थे और लिंग भेद आदर्श था।

लेकिन जैसे-जैसे रेलमार्गों का विस्तार हुआ, श्रमिकों की मांग बढ़ी। रेल कंपनियों द्वारा नियोजित पहली महिलाएँ रेल कर्मचारियों की बेसहारा विधवाएँ थीं। प्रबंधकों ने उन्हें वेतनभोगी रोजगार की पेशकश की-हालाँकि पूरी तरह से दया से नहीं, क्योंकि वे अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में काफ़ी कम कमाती थीं। जया चौहान 1984 बैच के भाग के रूप में रेलवे सुरक्षा बल में पहली महिला अधिकारी थीं। शुरुआत में एक प्रशासनिक

-प्रियंका सौरभ, रिसर्च स्कॉलर इन पॉलिटिकल साइंस हरियाणा

अधिकारी के रूप में काम करते हुए, मातृभूमि की सेवा करने और अप्राप्त गढ़ों की खोज करने के उनके जुनून ने उन्हें उस आरामदायक नौकरी को छोड़ने और कूदने के लिए मजबूर किया। रेलवे की पुलिसिंग में जया ने न केवल रेलवे में अच्छा प्रदर्शन किया, बल्कि देश में अर्धसैनिक बलों में पहली महिला महानिरीक्षक भी बनीं। 1981 बैच के रेल उम्मीदवारों में से, एम. कलावती को भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियर्स सेवा की पहली महिला सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। वह वर्तमान में दक्षिणी रेलवे जोन में मुख्य सिग्नल इंजीनियर के रूप में काम करती हैं। रेलवे सेवाओं में शामिल होने से पहले, 1988 में, कल्याणी चड्ढा ने जमालपुर में 1983 बैच के विशेष श्रेणी अपरेंटिस में भारतीय रेलवे मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग संस्थान में चार साल बिताए। कल्याणी के नेतृत्व में 13 महिलाएँ हैं जो अब सेवा में हैं और 10 और जो जमालपुर में प्रशिक्षुता कर रही हैं।

मंजू गुप्ता, जो वर्तमान में बीकानेर डिवीजन के डिवीजनल रेल मैनेजर के रूप में कार्यरत हैं 1998 बैच की मोना श्रीवास्तव भारतीय रेलवे इंजीनियर्स सेवा में शामिल होने वाली पहली महिला सदस्य थीं, जो तब तक केवल पुरुषों के लिए थी। इस सदी की शुरुआत में ही, यानी 2002 में, 1967 बैच की सदस्य विजयलक्ष्मी विश्वनाथन भारतीय रेलवे बोर्ड के वित्त आयुक्त के पद पर पहुँचीं। विजयलक्ष्मी 1990 के दशक के अंत में भारतीय रेलवे में पहली महिला मंडल रेल प्रबंधक भी थीं। लगभग दो दशक बाद, जब पद्माक्षी रहेजा को भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 1974 बैच के सदस्य के रूप में चुना गया, तब पुरुषों के अगले गढ़ को तोड़ने में महिला का हाथ था। अगले पाँच वर्षों तक पद्माक्षी IRTS में एकमात्र महिला थीं। भारत की अटूट और अमर भावना और इसकी स्वतंत्रता के 75 वर्षों का जश्न। मंजू गुप्ता, जो वर्तमान में बीकानेर डिवीजन की डिवीजनल रेल मैनेजर के रूप में कार्यरत हैं, भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स की पहली महिला सदस्य थीं। उनके शामिल होने के बाद, 14 और महिलाओं ने मंजू के उदाहरण का अनुसरण किया और भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स में प्रवेश किया।1998 बैच की मोना श्रीवास्तव भारतीय रेलवे इंजीनियर्स सेवा में शामिल होने वाली पहली महिला सदस्य थीं, जो तब तक सभी पुरुषों के लिए थी। यह इस सदी की शुरुआत में ही था, यानी 2002 में, 1967 बैच की सदस्य विजयलक्ष्मी विश्वनाथन ने भारतीय रेलवे बोर्ड के वित्त आयुक्त के पद पर जगह बनाई। विजयलक्ष्मी 1990 के दशक के अंत में भारतीय रेलवे में पहली महिला डिवीजनल रेल मैनेजर भी थीं। पद्माक्षी रहेजा को भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 1974 बैच के सदस्य के रूप में चुने जाने पर अगले पुरुष गढ़ को तोड़ने में लगभग दो दशक लग गए। अगले पांच वर्षों तक पद्माक्षी आईआरटीएस में एकमात्र महिला थीं।

भारतीय रेलवे के लिए एक रिकॉर्ड यह है कि राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर के शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय रेलवे बोर्ड में अब महिलाएँ बहुमत में हैं। कैबिनेट द्वारा स्वीकृत नियुक्तियों के नवीनतम दौर के साथ पहली बार रेलवे बोर्ड में महिलाएँ ड्राइवर की सीट पर हैं। कांच की छत को तोड़ते हुए, रेलवे बोर्ड का नेतृत्व पहले से ही एक महिला द्वारा किया जा रहा है, अब संचालन और व्यवसाय विकास के प्रभारी एक महिला सदस्य हैं और उसी रैंक की एक अन्य महिला सदस्य वित्त सदस्य के रूप में वित्त की देखभाल करती हैं। महिला सशक्तिकरण को प्रेरित करने के एक अन्य तरीके में, भारतीय रेलवे ने एक पूरी ट्रेन और रेलवे स्टेशन महिलाओं को समर्पित करना शुरू किया। मणिनगर रेलवे स्टेशन (गुजरात) और माटुंगा रोड स्टेशन (मुंबई, महाराष्ट्र) का प्रबंधन महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। महाराष्ट्र के नागपुर में स्थित अजनी रेलवे स्टेशन की सफाई, ट्रैक की खराबी का पता लगाने और उनकी मरम्मत के लिए महिला ट्रैक मेंटेनर काम करती हैं। इसके अलावा, भारतीय रेलवे में महिला नेताओं की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार ने मुंबई-अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस के लिए सभी महिला टीटीई नियुक्त की हैं। डेक्कन क्वीन एक्सप्रेस एक और ट्रेन है जिसे पूरी तरह महिलाओं की टीम चलाती है। देश में सबसे बड़ा नियोक्ता होने के नाते भारतीय रेलवे इस क्षेत्र में महिला कर्मचारियों और नेतृत्व को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है, लेकिन फिर भी, आंकड़े बताते हैं कि जनसंख्या में उनके अनुपात के अनुसार यह संख्या महत्त्वपूर्ण नहीं है

बादली विधानसभा के हजारों लोगों ने संकल्प लिया, सबसे प्रचंड जीत देवेन्द्र यादव की होगी

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने अपना नामांकन भरा

मुख्य संवाददाता /सुषमा रानी

नई दिल्ली। बादली विधानसभा से कांग्रेस उम्मीदवार और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आज आजाद पुर स्थित एसडीएम मॉडल टाउन कार्यालय में अपना नामांकन पत्र भरा। आजादपुर से एसडीएम आफिस तक भारी हजारों लोग देवेन्द्र यादव पर फूलों की बारिश कर रहे थे। देवेन्द्र यादव अपना नामांकन भरने जनता के इस विश्वास के साथ पहुंचे कि 8 तारीख को दिल्ली की जनता के सहयोग से कांग्रेस दिल्ली में एक बार फिर अपनी सरकार बनाऐंगी। नामांकन भरने निकले देवेन्द्र यादव की पदयात्रा में भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, क्षेत्र की जनता सहित झारखंड की मंत्री दीपिका पांडे सिंह, नेशनल मीडिया कॉआर्डिनेटर अभय दूबे, स्व0 अहमद पटेल की पुत्री मुमताज पटेल, अ0भा0क0कमेटी सचिव कुलजीत नागरा, राजस्थान से विधायक मनीष यादव, पंजाब के पूर्व मंत्री श्याम सुंदर अरोड़ा शामिल थे।

इनके प्रवक्ता शहजाद पुनावाला ने मैथिल ब्राह्मण ऋतुराज झा को गाली दी, अब मनोज तिवारी और गिरिराज सिंह चुप क्यों हैं?- संजय सिंह

मुख्य संवाददाता सुषमा रानी

नई दिल्ली। 15 जनवरी आम आदमी पार्टी ने भाजपा प्रवक्ता द्वारा पूर्वांचल समाज से आने वाले विधायक ऋतुराज झा को सरेआम गाली देकर अपमानित करने पर कड़ी आपत्ति की जताई है। ''आप'' के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने एक बार पूर्वांचल समाज के लोगों को गाली देकर अपमानित किया है। आम आदमी पार्टी गुरुवार को इसके खिलाफ दिल्ली में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन करेगी। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पुनावाला ने एक राष्ट्रीय न्यूज चैनल पर मैथिल ब्राह्मण ऋतुराज झा को गाली दी। अब भाजपा के सांसद मनोज तिवारी और गिरिराज सिंह चुप क्यों हैं? दरअसल, पूर्वांचलियों को गाली देने और अपमानित करने का भाजपा ने अभियान चला रखा है। कुछ दिन पहले संसद में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पूर्वांचलियों को बांग्लादेशी, रोहिंग्या कहकर अपमानित किया। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के रहने वाले भाजपा समेत सभी दलों के नेताओं को भी सामने आकर इसके खिलाफ बोलना चाहिए।

बुधवार को आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और विधायक ऋतुराज झा ने पार्टी मुख्यालय पर संयुक्त प्रेसवार्ता की। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने पूर्वांचलियों को गाली देने, धमकाने और रोहिंग्या कहकर अपमानित करने का अभियान चला रखा है। हमने देखा कि देश की संसद में भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पूर्वांचल, यूपी बिहार के लोगों को रोहिंग्या और बांग्लादेशी कहा। आज पूर्वांचल समाज के लोग अपने ही देश में बांग्लादेशी हो गए। पूरे दिल्ली में अभियान चलाकर यूपी, बिहार, झारखंड के लोगों को रोहिंग्या और बांग्लादेशी कहकर उनके वोट कटवाए गए। यूपी, बिहार के लोगों को गाली देने का भाजपा का पुराना इतिहास है। ये लोग कहते थे कि इनकी हैसियत केवल दरी बिछाने की है। दिल्ली में छठ घाट बनाने के लिए हम संघर्ष करने पड़ते थे। अब सारी सीमाएं पार करते हुए भाजपा के प्रवक्ता ने पूरे देश के सामने राष्ट्रीय चैनल पर ''आप'' के विधायक ऋतुराज झा को गाली दी।

भाजपा के प्रवक्ता ने इतनी गंदी गाली दी कि उस शब्द का प्रयोग भी नहीं किया जा सकता। ये भाजपा का चरित्र है।

संजय सिंह ने कहा कि जनता दल यूनाइटेड पार्टी के नेता और राज्यसभा सदस्य संजया झा से भी मैं अपील करता हूं कि वो इस मामले में बोलें। भाजपा में जितने यूपी, बिहार, पूर्वांचल के नेता हैं यह उनके लिए परीक्षा की घड़ी है। कम से कम वो इतनी बड़े अपमान के विरोध में एक शब्द तो बोलें। अपने मुंह से थोड़ी तो आवाज निकालें। यह बात ठीक नहीं है। हम लोग यहां आकर मेहनत करते हैं। क्या हम लोग अपना खून-पसीना बहाकर दिल्ली और देश के बड़े-बड़े शहरों को इसलिए बनाते हैं कि भाजपा के नेता हमें गाली दें? इस अपमान के विरोध में आम आदमी पार्टी गुरुवार को पूरी दिल्ली में जबरदस्त प्रदर्शन करेगी। मैं पूर्वांचली क्षेत्र में आज से हो रही सभाओं में भी पूर्वांचल समाज के लोगों को इस अपमान के बारे में बताउंगा और उनसे कहूंगा कि वो इस बार अपने वोट की ताकत के इस अपमान का बदला लें। हम बांग्लादेशी और रोहिंग्या नहीं हैं।

वहीं, ''आप'' विधायक ऋतुराज झा ने कहा कि भाजपा के सबसे बड़े प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राष्ट्रीय चैनल पर मुझे गंदी-गंदी गालियां दीं क्योंकि मैं पूर्वांचल से आता हूं। भाजपा का यह रोज का काम हो गया है। इनके राष्ट्रीय अध्यक्ष हमें कभी रोहिंग्या तो कभी बांग्लादेशी कहते हैं। इन लोगों ने शाहदरा में सिर्फ पूर्वांचल के लोगों का वोटर लिस्ट से नाम काटने का काम किया। इनकी वह चोरी पकड़ी गई। ये पूर्वांचल के लोगों से बहुत नफरत करते हैं। भाजपा नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मदनलाल खुराना कहते थे कि पूर्वांचल के लोगों को टिकट देंगे? ये लोग दरी बिछाने के लिए आते हैं। इन्हीं के नेता विजय गोयल ने राज्यसभा के अंदर कहा कि अगर इन बिहारियों को नहीं रोका गया तो दिल्ली कचरा और स्लम बन जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राज्यसभा में पूर्वांचल के लोगों को गालियां दीं। ये लोग सिर्फ ड्रामा करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी ने भाजपा के ही पूर्वांचल के चंदन कुमार नाम के लड़के को दौड़ा-दौड़ा मारा था। वह चंदन कुमार आज इन्हीं की पार्टी का पार्षद है। इन्होंने उसका अपमान किया। दिल्ली की 1750 कॉलोनियों में 50 लाख पूर्वांचल के लोग रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलीला मैदान में खड़े होकर कहा था कि पीएम उदय योजना के तहत कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले पूर्वांचल के लोगों को पक्की रजिस्ट्री दी जाएगी। लेकिन आज तक किसी को भी पक्की रजिस्ट्री नहीं दी गई। भाजपा नेता मनोज तिवारी, गिरिराज सिंह, गोपाल ठाकुर और संजय झा पूर्वांचल के बड़े नेता हैं लेकिन ये बात-बात पर पूर्वांचल के लोगों का अपमान करते हैं। इन्होंने केवल मुझे गाली नहीं दी है बल्कि पूरे पूर्वांचल के लोगों, मैथिली और ब्राह्मण को गाली दी है। ये राष्ट्रीय चैनल पर पूर्वांचल के लोगों को गाली देकर उनका अपमान करने की कोशिश कर रहे हैं। इन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठकर बताना पड़ेगा कि ये क्या स्टैंड लेते हैं। क्या ये किसी दलगत राजनीति के तहत बंधे हैं या फिर ये समाज के लिए खड़े होते हैं? आने वाले चुनाव में पूर्वांचल के लोग भाजपा से अपना इस अपमान का बदला लेंगे और अपने वोट से उन्हें करारा जवाब देंगे।

हजारों समर्थकों के साथ रमेश बिधूड़ी ने भरा अपना नामांकन

8 फरवरी को आपदा जा रही है, भाजपा आ रही है : बिधूड़ी

दिलीप देवतवाल

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के पूर्व सांसद व कालकाजी विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के लोकप्रिय प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी ने 5000 से अधिक लोगों की मौजूदगी में अपनी नामांकन यात्रा निकाली। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी एवं प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा मौजूद रहें। इस मौके पर EWS फ्लैट्स गोविंदपुरी, कालकाजी विधानसभा में आयोजित नामांकन सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि रमेश बिधूड़ी ने हमेशा जनता के हित में काम किया है। जिस परिसर में हम सब लोग खड़े हुए हैं यह ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स गरीबों को दिलवाने में रमेश बिधूड़ी ने लंबा संघर्ष किया है। कालकाजी के लोगों का आशीर्वाद रमेश बिधूड़ी को चुनाव में मिलने जा रहा है। इसके अलावा हरदीप पुरी ने कहा कि रमेश बिधूड़ी की पहचान काम करने वाले नेताओं में गिनी जाती है। गरीबों की मदद के लिए रमेश बिधूड़ी हमेशा खड़े रहते हैं। इसके अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अब दिल्ली से आम आदमी पार्टी की विदाई होने जा रही है। अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि

पीएम मोदी ने कहा था कि दिल्ली में सभी जनकल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी और गरीबों को पक्के घर मिलेंगे। अरविंद केजरीवाल केवल चुनावी वादे करते हैं और लोगों को गुमराह करते हैं। वीरेंद्र सचदेवा ने आगे कह की दिल्ली में अवैध रोहिंग्या और बांग्लादेशी बसाने का काम अरविंद केजरीवाल कर रहे हैं। इस मौके पर जन सभा को संबंधित करते हुए कालकाजी विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी ने कहा कि बच्चों की कसम खाने वाला झूठा केजरीवाल जो कहते थे कि कांग्रेस के साथ कभी गठबंधन नहीं करेंगे, वही अब 6 महीने पहले लोकसभा चुनाव में इंडी गठबंधन में शामिल होकर कांग्रेस की गोद में बैठ गए। जनता को धोखा देने वाले ये आप-दा वाले देश और दिल्ली के लिए घातक हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की तर्ज पर 8 फरवरी को दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद दिल्ली से नशेड़ी, गुंडे और अपराधी प्रवृति के लोग या तो जेल में मिलेंगे या फिर दिल्ली छोड़कर भाग जाएंगे। पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पूर्वांचलियों का अपमान किया है। पूरे देश के सब लोगों की दिल्ली है. उन्होंने कहा, "ये लोग दूधारू तलवार वाले लोग हैं."

बिधूड़ी ने कहा, "आज 15 जनवरी, 2025 को अपने कालकाजी परिवार के साथ 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प को दोहराते हुए सभी की समृद्धि, उन्नति और प्रगति के लिए नामांकन दाखिल करने जा रहा हूं। आप सभी का आशीर्वाद और समर्थन मेरी ताकत है। आइए, मिलकर एक नई कालकाजी का निर्माण करें."1

इसके अलावा उन्होंने कहा कि नामांकन यात्रा में शामिल हजारों की संख्या में कालकाजी परिवार के भाइयों-बहनों का असीम आशीर्वाद और समर्थन प्राप्त होना उनके लिए गर्व का पल है। उन्होंने आगे कहा 8 फरवरी को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। यह हम सभी का संकल्प है कि कालकाजी विधानसभा सहित दिल्ली में विकास और समृद्धि की नई लहर आएगी।

नामांकन यात्रा EWS फ्लैट गोविंदपुरी, बाबा फतेह सिंह मार्ग से शुरू हुई और पूजा मसाला गुरु रविदास मार्ग, गुरुद्वारा गली नंबर 1, कालकाजी पहला गोल चक्कर, कालकाजी मेन रोड से नेहरू प्लेस की ओर होते हुए नामांकन यात्रा नेहरू प्लेस रेड लाइट ग्राउंड पर समाप्त हुई। इस यात्रा में लगभग 5000 से अधिक लोग शामिल रहे। इस अवसर पर दक्षिणी दिल्ली भाजपा और प्रदेश भाजपा के अलावा कालकाजी विधानसभा के तमाम वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

इंडियन नेशनल लीग ने ए आई एम आई एम के समर्थन का किया ऐलान

ओखला से शिफाउर रहमान और मुस्तफाबाद से ताहिर हुसैन को वोट देने की अपील

नईदिल्ली: इंडियन नैशनल लीग (INL) दिल्ली प्रदेश कमेटी ने घोषणा की है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में आई एन एल, मजलिस इत्तेहादुल मुस्लमीन (ऐ आई एम आई एम)के ओखला प्रत्यासी शिफाउर रहमान और मुस्तफाबाद प्रत्यासी ताहिर हुसैन का समर्थन करेगी। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष रफी अहमद खान की क़यादत में आई एन एल मेंबर्स ने मुस्तफाबाद कार्यालय में मोहम्मद अकरम , महासचिव मजलिस दिल्ली, मोहम्मद शादाब पुत्र ताहिर हुसैन एवं डॉ इरशाद संगठन सचिव को अपना समर्थ पत्र दिया। इस अवसर पर महरूज खान, मोहम्मद मारूफ,इस्लाम मालिक, इरफान सैफी और फुरकान अत्यादि उपस्थित थे। रफी अहमद ने कहा कि दोनों सी ए ए , एन आर सी दौरान चर्चे में आए और दिल्ली दंगों के झूठे मुकदमे लगाकर सरकारी मशीनरी ने जेल भेज दिया जो अभी तक जेल में है। अब हमारी ज़िम्मेदारी बनती है उन्हें वोट एवं समर्थन दें । असादुद्दीन औवेसी ने दोनों प्रत्याशियों को टिकट देकर बेकसूर साबित कर दिया है। अब अवाम की बारी है उन्हें जिताकर बेकसूर साबित करने की। इसी लिए आई एन एल ने दिल्ली में अपना कोई भी प्रत्याशी खड़ा नहीं किया बल्कि ए आई एम आई एम के प्रत्याशियों को सपोर्ट करने का फैसला कमेटी ने लिया है। ज्ञात हो इन्डियन नैशनल लीग एक पोलिटिकल पार्टी है। जोकि इब्राहीम सुलेमान सेठ ने 23 अप्रैल 1994 में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग से अलग होकर बनाई थी। आई एन एल फिलहाल केरला की एल डी एफ सरकार में अहम भागीदारी अंग है।

लाल सिंह आर्य सम्मान गौरव यात्रा में बोले कांग्रेस ने बार-बार बाबा साहब अंबेडकर व संविधान का अपमान किया

सुषमा रानी

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने आज उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद मैं संविधान गौरव अभियान के तहत गोष्ठी में बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पिछले 70-75 वर्षों में लगातार बाबा साहब भीमराव अंबेडकर तथा उनके लिखे हुए संविधान का बार-बार अपमान किया है बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के स्वर्गवास के बाद उनका दाह संस्कार के लिए दो गज जमीन भी कांग्रेस सरकार ना दे सकी और ना ही उनके कार्यकाल में कोई उनका स्मारक बना भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली में 197 करोड़ की लागत से बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का स्मृति स्थल बनकर जनता को समर्पित किया और बाबा साहब के पूरे देश में पंच तीर्थ जनता को बनाकर समर्पित किया इसके अलावा हमारे भगवान वाल्मीकि जी के नाम पर अयोध्या में भव्य एयरपोर्ट का नामकरण किया गया और राम मंदिर में भव्य भगवान वाल्मीकि की मूर्ति की स्थापना की गई ऐसी अन्य को उदाहरण देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री ने दलित समाज के सफाई कर्मचारियों के चरण धोना वाल्मीकि मंदिर दिल्ली में सफाई अभियान चलाना आज आदि समाज के गौरव बढ़ाने वाले कार्य किए हैं जितना दलित समाज को मोदी सरकार ने सम्मान दिया है उतना सम्मान किसी भी सरकार ने आज तक नहीं दिया।

'बंपर वोटों से मिल्कीपुर सीट जीतेगी बीजेपी, I.N.D.I.A. गठबंधन की खुल गई कलई'; नोएडा में बृजेश पाठक का बड़ा दावा

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बुधवार को नोएडा में मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। मीडिया से बात करते उपमुख्यमंत्री मिल्कीपुर में भाजपा को जीत को लेकर काफी आश्वस्त नजर आए। उन्होंने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन की कलई खुल गयी है। भाजपा इस बार सर्वाधिक वोटों के साथ सीट जीतेगी। इस दौरान उन्होंने चाइल्ड पीजीआई में बीएमटी यूनिट का उद्घाटन किया।

नोएडा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बुधवार को नोएडा में मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। मीडिया से बात करते उपमुख्यमंत्री मिल्कीपुर में भाजपा को जीत को लेकर काफी आश्वस्त नजर आए। उन्होंने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन की कलई खुल गयी है। भाजपा इस बार सर्वाधिक वोटों के साथ सीट जीतेगी।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने इससे पहले, सुबह करीब 11 बजे नोएडा के सेक्टर-30 स्थित चाइल्ड पीजीआई में प्रदेश की दूसरी बोनमैरो ट्रांसप्लांट यूनिट का फीता काटकर उद्घाटन किया। उसके बाद वह सेक्टर-39 में जिला अस्पताल पहुंचकर डीएनबी के छात्र-छात्राओं के लिए एकेडमिक विंग का शुभारंभ करेंगे। उनके आने से पहले मंगलवार को दिनभर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और स्टाफ व्यवस्था बनाने में जुटे रहे।

अस्पताल के चौथे फ्लोर पर मिलेगी सुविधा

निजी कंपनी के कर्मचारियों ने अग्निशमन सिलेंडरों को रिफ्लिंग कराकर उन्हें लगाया। चाइल्ड पीजीआई में करीब चार करोड़ रुपये की लागत से बाल-मरीजों में बोनमैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा बढ़ाई की गई है। पहले एक बेड पर मरीज का इलाज होता था। अब चौथे तल पर आठ बेड की यूनिट तैयार की गई है।

दो डॉक्टर और 30 स्टाफ नर्स की रहेगी ड्यूटी

डॉ. नीता राधाकृष्णन के साथ दो चिकित्सक और 30 स्टाफ नर्स की ड्यूटी रहेगी। आज सुबह करीब 11 बजे उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक फीता काटने पहुंचें। उनके साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह व अन्य लोग रहेंगे। अस्पताल प्रबंधन ने उपमुख्यमंत्री के कार्यक्रम के लिए सभी वरिष्ठ अधिकारी और स्टाफ को जिम्मेदारी दी है।

खास बात है कि उपमुख्यमंत्री 100 सवालों के 100 जवाब पर तैयार किताब को भी लॉन्च करेंगे। जिला अस्पताल की सीएमएस डा. रेनू अग्रवाल ने बताया कि डीएनबी छात्र-छात्राओं के लिए एकेडमिक जोन, नवजात शिशुओं के लिए 12 बेड की एसएनसीयू तैयार हो चुकी है। उधर, पुलिस प्रशासन भी कार्यक्रम को लेकर तैयारियों में जुटा है।

दिल्ली से प्रयागराज की टिकट हुई 10 हजार, मेले में जाने के लिए ट्रेनें फुल

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद से प्रयागराज जाने वाली ट्रेनें कुंभ मेले के चलते फुल हो गई हैं। 25 फरवरी तक ट्रेनों में वेटिंग रहेगी। श्रद्धालु बस या फ्लाइट से प्रयागराज जा रहे हैं। फ्लाइट का टिकट 10 हजार रुपये तक है। कोहरे के कारण कई ट्रेनें लेट चल रही हैं। पूरी रोडवेज बस बुक कराने पर दो यात्रियों को निशुल्क यात्रा की सुविधा।

गाजियाबाद। गाजियाबाद से होकर प्रयागराज के लिए जाने वाली ट्रेनें फुल हो गई हैं। महाकुंभ के मद्देनजर 25 फरवरी तक ट्रेनें फुल रहेंगी। ज्यादातर ट्रेनें वेटिंग में चल रही हैं।

ऐसे में श्रद्धालु बस से प्रयागराज जा रहे हैं। वहीं फ्लाइट का टिकट भी महंगा हो गया है। 25 फरवरी तक 10 हजार रुपये तक का टिकट है। वहीं कोहरे के कारण कई ट्रेन अपने निर्धारित समय से लेट चल रही हैं।

प्रयागराज में कुंभ मेला लग रहा है। गाजियाबाद से भी बड़ी संख्या में लोग प्रयागराज जा रहे हैं। लोगों ने एक माह पहले से ही ट्रेनों के टिकट बुक कर दिए थे। गाजियाबाद से प्रयागराज जाने वाली नेताजी एक्सप्रेस, जट टाटा एक्सप्रेस, महानंदा एक्सप्रेस, सीमांचल एक्सप्रेस, लछवी एक्सप्रेस।

हल्दिया एक्सप्रेस, रेवा एक्सप्रेस, प्रयागराज एक्सप्रेस, कालिंदी एक्सप्रेस आदि ट्रेन में वेटिंग चल रही है। स्लीपर कोच में वेटिंग अधिक है। आनलाइन टिकट बुक करते समय वेटिंग दिखा रहा है। यात्री रेलवे स्टेशन पर जाकर भी इस संबंध में पूछताछ कर रहे हैं।

ट्रेन नहीं मिलने पर श्रद्धालु कौशांबी बस अड्डे का रुख कर रहे हैं। यहां से प्रयागराज के लिए बसों का संचालन किया जा रहा है। वहीं लोग इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से प्रयागराज के लिए फ्लाइट बुक कर रहे हैं लेकिन फ्लाइट का टिकट महंगा हो गया है। फ्लाइट का टिकट 10 हजार रुपये तक में टिकट मिल रहा है। हालांकि टिकट महंगा होने पर भी लोग फ्लाइट से प्रयागराज जा रहे हैं।

दो यात्रियों को निश्शुल्क यात्रा करने का मौका

महाकुंभ के लिए पूरी रोडवेज बस बुक कराने पर दो यात्रियों को निश्शुल्क यात्रा करने की सुविधा दी जा रही है। इसके लिए परिवहन निगम के मुख्यालय ने सभी डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को आदेश जारी कर दिए हैं।

कौशांबी डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक शिव बालक ने बताया कि प्रयागराज में 13 जनवरी से महाकुंभ के लिए बस चल रही हैं। बस बुक कराने पर यात्रियों की संख्या 50 होनी अनिवार्य है।

प्रयागराज से वापस आने के लिए भी यात्रियों को यह सुविधा मिलेगी। वहीं परिवहन निगम गाजियाबाद रीजन की 600 बसों को कुंभ मेले में भेजने की तैयारी में जुटा है।

फ्लॉप हो गई यमुना अथॉरिटी की फ्लैट स्कीम! खरीदारों ने योजना में क्यों नहीं दिखाई दिलचस्पी?

यमुना प्राधिकरण की फ्लैट योजना में खरीदार ढूंढे नहीं मिल रहे हैं। बीते पांच महीने में 989 फ्लैट के लिए निकाली गई योजना को मात्र 181 खरीदार ही मिले है। इस योजना के फ्लैट सेक्टर 22डी में हैं। दरअसल यहां सुविधाओं के अभाव है। बिजली से लेकर सुरक्षा साफ सफाई का अभाव कनेक्टिविटी का पर्याप्त इंतजाम नहीं है। इसलिए लोग फ्लैट खरीदने से कतरा रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण (Yamuna Authority) की निर्मित भवन योजना असफल हो गई है। पांच माह में योजना में महज 181 फ्लैट की बिक्री हुई है। जबकि योजना में 989 फ्लैट हैं। प्राधिकरण ने योजना को सफल बनाने के लिए 'पहले आओ पहले पाओ' से लेकर लोकेशन चयन करने तक का अवसर दिया है।

यमुना अथॉरिटी ढूंढे नहीं मिल रहे खरीदार

वित्तीय वर्ष समाप्त होने के साथ यह योजना भी बंद हो जाएगी। यमुना प्राधिकरण के आवासीय प्लॉटों को लेकर मारामारी है। प्लॉट योजना आते ही आवेदन करने वालों की संख्या लाखों में पहुंच जाती है, लेकिन बीएचएस योजना के लिए प्राधिकरण को खरीदार ढूंढे नहीं मिल रहे हैं।

यमुना अथॉरिटी निकाली थी योजना

प्राधिकरण ने सितंबर में बीएचएस योजना निकाली थी। इसमें 99.86 वर्गमीटर के 250, 54.75 वर्गमीटर के 713 व 29.76 वर्गमीटर के 276 फ्लैट शामिल किए गए थे। 99.86 वर्गमीटर श्रेणी के सभी फ्लैट योजना शुरू होने के एक सप्ताह में ही बिक गए, लेकिन अन्य दो श्रेणी में फ्लैट खरीदने वालों की संख्या बेहद कम हैं।

किस श्रेणी में बिके कितने फ्लैट?

54.75 वर्गमीटर के अभी तक 128 फ्लैट ही बिके हैं। जबकि 29.76 वर्गमीटर में स्थिति और भी खराब है। 276 फ्लैट के सापेक्ष मात्र 53 फ्लैट की ही बिक्री हुई है। प्राधिकरण ने योजना में आवेदन के लिए 31 मार्च तक की समय सीमा तय की है। नए वित्त वर्ष में प्राधिकरण की संपत्ति दरों का पुनरीक्षण होगा।

योजना फ्लैट खरीदने का अभी है मौका

इससे पहले प्राधिकरण यह योजना बंद करेगा। नई दरों के साथ यह योजना आगामी वित्त वर्ष में दोबारा निकाली जाएगी। प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया का कहना है कि बीएचएस योजना में 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर आवंटन किया जा रहा है। योजना मार्च तक हैं। फ्लैट खरीदने वालों की संख्या में वृद्धि होगी।

सुविधाओं के अभाव के कारण नहीं आ रहे खरीदार

बीएचएस योजना में शामिल फ्लैट सेक्टर 22डी में हैं। पूर्व में फ्लैट खरीद चुके लोग परेशान हैं। सुविधाओं के अभाव के कारण वह भी फ्लैट बेचना चाहते हैं, लेकिन खरीदार नहीं मिल रहे हैं।

गाजियाबाद में तीसरे दिन भी जमकर गरजा बुलडोजर, करोड़ों की जमीन कब्जामुक्त; प्रदर्शनकारियों ने किया चक्का जाम

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद बुलडोजर की कार्रवाई विजयनगर में रक्षा संपदा विभाग की 161 एकड़ जमीन पर से तीसरे दिन बुधवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी हुई। इस दौरान कुछ लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर सड़क जाम कर दी। पुलिस ने लोगों को समझाकर सड़क से हटाया और यातायात व्यवस्था को सामान्य किया। रक्षा संपदा विभाग के एसडीओ वीके गुप्ता ने इस संबंध में विस्तार से बताया है।

गाजियाबाद। विजयनगर के चांदमारी में लगातार तीसरे दिन बुधवार को अभियान चलाकर रक्षा संपदा विभाग की जमीन को शत प्रतिशत कब्जामुक्त कराया गया। इस दौरान जमीन को कब्जामुक्त करने की कार्रवाई के विरोध में कुछ लोगों ने विजयनगर से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क पर इकट्ठा होकर विरोध प्रदर्शन किया, इससे जाम लग गया।

वाहन चालकों को परेशानी हुई। इस दौरान पहुंची पुलिस ने लोगों को सड़क से हटाया। लगभग आधे घंटे बाद यातायात व्यवस्था सामान्य हो सकी। विजयनगर में रक्षा संपदा विभाग की 161 एकड़ से अधिक जमीन है। इसमें से 70 एकड़ जमीन पर झुग्गियां और अवैध निर्माण कर सैकड़ों परिवार रह रहे थे।

कुछ झुग्गियों में हो रहे थे अवैध काम

कुछ लोगों ने यहां पर कबाड़ को गोदाम बनाया था और कुछ ने पशुपालन कर डेरी संचालन का काम किया था। कुछ झुग्गियों में अनैतिक गतिविधियां भी संचालित हो रही थी, यहां पर अवैध रूप से गांजा और शराब की बिक्री होती थी। झुग्गियों के आसपास आपराधिक घटनाएं भी पूर्व में हुई हैं।

इसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने शहर के विधायक से की। उन्होंने रक्षा संपदा विभाग की जमीन को कब्जामुक्त कराने के लिए पत्र लिखा। इस पर संज्ञान लेकर रक्षा संपदा विभाग के स्टेट अफसर ने कार्रवाई के आदेश दिए। पुलिस, प्रशासन, नगर निगम के सहयोग से रक्षा संपदा विभाग के अधिकारियों ने सोमवार से जमीन को कब्जामुक्त कराने का अभियान शुरू किया।

पुलिस ने सड़कों का कराया जाममुक्त

धोबीघाट आरओबी पर विरोध प्रदर्शन के चलते लगा जाम। जागरणदो दिन तो अभियान शांतिपूर्ण तरीके से चला, बुधवार को अभियान के दौरान जब अवैध निर्माण कर बनाए गए घरों को तोड़ा गया तो लोगों ने विरोध जताते हुए स्टेशन रोड पर जाम लगा दिया। पुलिस अधिकारियों ने उनको समझाकर सड़क से हटाया और यातायात व्यवस्था सामान्य की।

रक्षा संपदा विभाग के एसडीओ वीके गुप्ता ने बताया कि तीन दिन में यहां पर बनीं लगभग 1,300 झुग्गियों और 350 से अधिक अवैध निर्माण को तोड़ा गया। बुधवार को शत प्रतिशत जमीन को कब्जामुक्त करा लिया गया है। जमीन पर दोबारा कब्जा न हो, इसके लिए निगरानी की जाएगी। यहां पर चारदीवारी का प्रस्ताव बनाया गया है। जमीन पर पौधारोपण करने की भी योजना है।

परीक्षाओं की वज़ह से पैदा होने वाले तनाव को दूर करने एक अनूठा संवादात्मक अवसर

पीएम के साथ परीक्षा पे चर्चा 2025 - अंतिम दिन 14 जनवरी 2025 तक रिकॉर्डतोड़ 3 .50 करोड़ से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए छात्रों अभिभावकों शिक्षकों की जिज्ञासाओं का निराकरण माननीय पीएम करेंगे जो प्रोत्साहन को गौरवविंत करने वाली बात है-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वर्तमान विशाल डिजिटल युग में शारीरिक तो क्या मानसिक मेहनत करने में भी आलस आने लगा है, क्योंकि की बोर्ड पर एक क्लिक से दुनियाँ की पूरी जानकारी स्क्रीन पर आ जाती है, तो फ़िर शारीरिक या मानसिक मेहनत करने का क्या औचित्य है? यह सोच न केवल आज के युवाओं पर बल्कि हमारे भविष्य के निर्माता बच्चों में भी घर करते जा रही है। जब मानसिक मेहनत की बात आती है तो दिसंबर-जनवरी का महीना होने से परीक्षाओं, सेमेस्टर परीक्षाओं और फ़रवरी से शुरू होने वाली फाइनल परीक्षाओं की घंटी बजती है, जिसमें छात्रों को मानसिक मेहनत कर पेपर में लिखना और ओरल प्रेजेंटेशन देना होता है। यहां कोई, की बोर्ड पर क्लिक या कॉपी पेस्ट से काम नहीं चलता इसलिए छात्रों में परीक्षाओं की वज़ह से भारी तनाव पैदा हो जाता है और इसे देखकर अभिभावक और शिक्षक भी चिंतित हो जाते हैं कि बच्चों का तनाव कैसे दूर किया जाए? इसी गुत्थी को किसी ताले की चाबी की तरह शिक्षा मंत्रालय द्वारा पिछले 7 वर्षों से प्रतिवर्ष खोली जाती है, जो है परीक्षा पे चर्चा, जिसमें सबसे बड़ी बात माननीय पीएम ख़ुद छात्रों शिक्षकों अभिभावकों को परीक्षा और उसके कारण आने वाले तनाव से मुक्त करने के मंत्र साझा करते हैं, जिसका बहुत अधिक सकारात्मक प्रभाव हमें पिछले वर्षों से देखने को मिला है। मैं स्वयंम भी इस परिचर्चा को पिछले 6 वर्षों से टीवी चैनलों पर ऑनलाइन देखा हूं, जो प्रोत्साहन को गौरवविंत करने वाली बात है। चूंकि परीक्षा पे चर्चा 2025 की जानकारी पीएम कार्यालय द्वारा पीआईबी और पीएम ट्विटर पर तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के ट्विटर हैंडल से दी गई है, जिसमें शामिल होने की अंतिम तारीख 14 दिसंबर से 14 जनवरी 2025 थी इसलिए हम आज इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, पीएम के साथ परीक्षा पे चर्चा 2025

साथियों बात अगर हम परीक्षा पे चर्चा 2025 में रिकॉर्ड तोड़ 3.50 करोड़ रजिस्ट्रेशन की करें तो, पीएम के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' का हिस्सा बनने के लिए इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में छात्रों, अभिभावकों व शिक्षकों ने अपना पंजीकरण कराया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक अभी तक परीक्षा पे चर्चा में शामिल होने के लिए 3.5 करोड़ से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराए हैं जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। परीक्षा पे चर्चा में रजिस्ट्रेशन कराने वालों में बड़ी संख्या में विदेशी छात्र भी शामिल हैं। रजिस्ट्रेशन की प्रोसेस बंद हो गई है। पीएम की पहल 'परीक्षा पे चर्चा परीक्षा से जुड़े तनाव को कम करने का तरीका सिखाती है. केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का मानना है कि यह पहल परीक्षा को जश्न के पर्व में परिवर्तित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन के रूप में निरंतर प्रगति कर रही है, गौरतलब है कि इस चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री परीक्षा से जुड़े छात्रों के विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देते हैं. इसके साथ ही प्रधानमंत्री छात्रों को यह मार्ग भी दिखाते हैं कि कैसे बिना तनाव और दबाव के परीक्षाओं में शामिल होना है।

साथियों बात अगर हम परीक्षा पर चर्चा आठवीं संस्करण की विशेष उपलब्धि की करें तो कार्यक्रम के 8वें संस्करण ने भारत और विदेशों के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से 3.5 करोड़ से अधिक पंजीकरण के साथ एक खास उपलब्धि हासिल की है।शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह प्रतिक्रिया एक सच्चे जन आंदोलन के रूप में कार्यक्रम की बढ़ती लोकप्रियता को प्रदर्शित करती है। पीपीसी 2025 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण माईगोवडॉटइन पर 14 दिसंबर 2024 से प्रारंभ हुआ और 14 जनवरी 2025 तक जारी रहा। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला यह इंटरैक्टिव कार्यक्रम शिक्षा का एक बहुप्रतीक्षित उत्सव बन गया है।साल 2024 में इसका 7 वां संस्करण भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में टाउन हॉल प्रारूप में आयोजित किया गया था।पीपीसी की भावना के अनुरूप, 12 जनवरी 2025 (राष्ट्रीय युवा दिवस) से 23 जनवरी 2025 (नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती) तक स्कूल स्तर पर कई आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों के समग्र विकास को प्रोत्साहन देना और परीक्षाओं को उत्सव के रूप में मनाने के लिए प्रेरित करना है।इन गतिविधियों में स्वदेशी खेल प्रतियोगिताएं, मैराथन दौड़, मीम प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक, योग और ध्यान सत्र, पोस्टर प्रतियोगिता, प्रेरणादायक फिल्मों का प्रदर्शन, मानसिक स्वास्थ्य कार्यशालाएं और परामर्श सत्र, कविता व गीत आदि शामिल हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा कोदबावपूर्ण गतिविधि के बजाय एक यात्रा के रूप में मनाना सिखाया जाता है।यह कार्यक्रम पीएम द्वारा छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के साथ परीक्षा से जुड़ी चिंताओं, तनाव और तैयारियों पर चर्चा करने के लिए आयोजित किया जाता है। कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए आयोजित इस इंटरैक्टिव सत्र में पीएम सुझाव और मार्गदर्शन देते हैं।अभिभावक और शिक्षक भी इस कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। उनके लिए ऑनलाइन कार्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें भाग लेकर वे अपना काम जमा कर सकते हैं। सभी प्रतिभागियों को इस कार्यक्रम का भागीदारी प्रमाण पत्र मिलेगा।इस बार का कार्यक्रम जनवरी 2025 में नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, कार्यक्रम की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। रजिस्ट्रेशन के दौरान, छात्र 500 शब्दों में अपना प्रश्न प्रधानमंत्री मोदी को भेज सकते हैं। चुनिंदा प्रतिभागियों को कार्यक्रम में प्रधानमंत्री से सीधे सवाल पूछने का अवसर भी मिलेगा। मुख्य कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चयनित 2500 छात्रों को शिक्षा मंत्रालय द्वारा विशेष पीपीसी किट प्रदान की जाएगी। इसमें भाग लेने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन ज़रूरी है। जिन छात्रों के पास इंटरनेट की सुविधा, ईमेल आईडी या मोबाइल नंबर नहीं है, वे परीक्षा पेचर्चा 2025 में शिक्षक ऑप्शन के जरिए भाग ले सकते थे। एक शिक्षक रजिस्टर करने के बाद अपनी आईडी से लॉगिन करके एक बार में एक या ज्यादा स्टूडेंट्स की डीटेल सबमिट कर सकता था ।इसके लिए कोई फीस नहीं ली गई थी। फ्री में रजिस्टर कर सकते हुआ । सही तरीके से रजिस्टर करने के बाद ही हमको पीएम के साथ प्रोग्राम में हिस्सा लेने का मौका मिल सकेगा।

साथियों पीपीसी 2025 में छात्रों के लिए अलग-अलग थीम बताई गई है। रजिस्टर करते समय हमको कोई एक थीम चुननी होगी। हर एक्टिविटी के लिए शब्द सीमा बताई गई है, उससे ज्यादा न लिखें, पीएम से जो भी सवाल पूछ रहे हैं उन्हें लिखने के लिए वर्डलिमिट 500 है। कॉपी-पेस्ट करने से बचें। हमारे जवाब ओरिजिनल, क्रिएटिव और आसान होने चाहिए। सफलतापूर्वक रजिस्टर करने के बाद सभी छात्रों को एक डिजिटल सर्टिफिकेट जारी किया। हम उसे माईगव से डाउनलोड कर सकेत हैं। अलग -अलग थीम में जीतने वाले छात्रों को स्पेशल परीक्षा पे चर्चा किट दी जीएगी। इसके अलावा एनसीईआरटी डायरेक्टर द्वारा सर्टिफिकेट दिया जाएगा। ध्यान रखें- सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन में कहा गया है कि रजिस्ट्रेशन के दौरान आप जो भी लिखेंगे, उसमें कुछ भी ऐसा न हो जो अनुचित, उकसाने वाला लगे,आपके द्वारा दी गई जानकारी को सरकार आगे जरूरत के अनुसार किसी भी तरीके से इस्तेमाल कर सकती है। हालांकि, अभी यह तय नहीं हो पाया है कि परीक्षा पे चर्चा 2025 कब और कहां होगी।

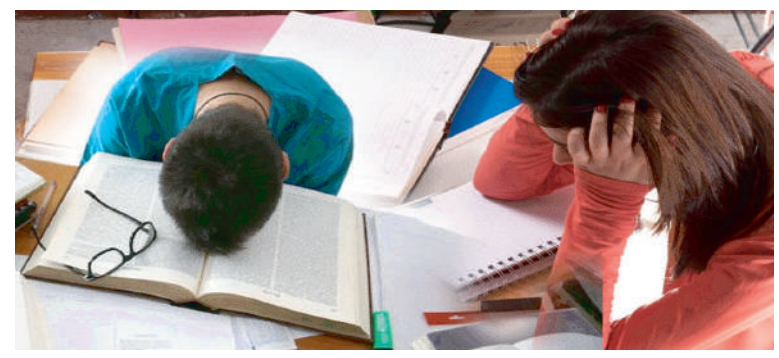

साथियों शिक्षा मंत्रालय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल में परीक्षा पे चर्चा में भाग लेने का

आह्वान करते हुए कहा कि अपने डर को दूर करने और त्योहारों की तरह परीक्षा मनाने का मंत्र जानें! इसमें कहा गया है, परीक्षा पे चर्चा 2025 की गतिविधियों में भाग लें और पीएम के साथ सीधे बातचीत करने का मौका पाएं।वहीं, माय गव वेबसाइट पर बताया गया है कि परीक्षा के तनाव को पीछे छोड़ने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होने का समय आ गया है! पीएम माता-पिता और शिक्षकों के साथ भी बातचीत करेंगे, ताकि छात्रों को उनके सभी सपनों और लक्ष्यों को पूरा करने में सहायता कर सके और उन्हें सक्षम बनाया जा सके। इसके अलावा मीगोव पर प्रतियोगिताओं के माध्यम से चुने गए लगभग 2500 छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को शिक्षा मंत्रालय द्वारा पीपीसी किट उपहार में दी जाएगी।साथियों अगर हम अपने परीक्षाओं को लेकर भारी तनाव में जी रहे हैं तो हमें परीक्षा पे चर्चा के 8 वें संस्करण में भाग लेकर इस तनाव को दूर करने के लिए एक व्यापक उच्च स्तरीय मार्गदर्शन की ज़रूरत है, जिसमें हमारे मन में उभरे सवालों के ज़वाब की ज़रूरत है। अपनी परेशानी उच्चस्तर पर साझा करने की ज़रूरत है, बस !इन्हीं सभी जिज्ञासाओं को पूरा करने के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा इस वर्ष 2025 में परीक्षाओं के पूर्व, परीक्षा पे चर्चा, 2025 एक अनूठा संवादात्मक कार्यक्रम कर रहा है जिसमें विशेष खासियत यह है कि इस चर्चा मेंजिज्ञासाओं का निराकरण माननीय पीएम करेंगे जो अपने आप में एक प्रोत्साहन को गौरवविंत करने वाली बात होगी।हालांकि ऐसा कार्यक्रम पिछले 7 वर्षों से किया जा रहा है इसका विशेष महत्त्व कोरोनाकाल 2020 से अभी 2025 तक अत्यंत सार्थक समझ में आया था, क्योंकि बच्चे अतिउत्साहित हो गए थे,और परीक्षाओं की वज़ह से पैदा होने वाले तनाव को दूर करने के लिए यह एक सकारात्मक पहल और उपाय सिद्ध हुआ था।

साथियों क्योंकि मैंने भी विद्यार्थियों से परिचर्चा करते हुए यह कार्यक्रम टीवी चैनलों पर पिछले 6 वर्षों से देख रहा हूं कि किस तरह माननीय पीएम बच्चों को प्रोत्साहन और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान कर रहे थे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पीएम के साथ परीक्षा पे चर्चा 2025-अंतिम दिन 14 जनवरी 2025 तक रिकॉर्डतोड़ 3.50 करोड़से अधिकरजिस्ट्रेशन हुए।परीक्षाओं की वज़ह से पैदा होने वाले तनाव को दूर करने एक अनूठा संवादात्मक अवसर छात्रों अभिभावकों शिक्षकों की जिज्ञासाओं कानिराकरण माननीय पीएम करेंगे जो प्रोत्साहन को गौरवविंत करने वाली बात है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

नए रंग-रूप में फिर से दिल्ली में इंट्री लेगा ऑटो एक्सपो 2025 , पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

परिवहन विशेष न्यूज

ऑटो एक्सपो 2025 में बीएमडब्लू मर्सिडीज बेंज स्कोडा टीवीएस मोटर बजाज आटो सुजुकी इंडिया यामाहा हीरो मोटोकार्प होंडा मोटरसाइकिल जैसी दूसरी दिग्गज आटोमोबाइल कंपनियां भी अपनी प्रौद्योगिकी व उत्पादों को प्रदर्शित करेंगी। इंडिया इंटरनेशनल टायर शो भारत बैट्री शो स्टील पवेलियन मोबिलिटी टेक पवेलियन और इंडिया साइकल शो का भी आयोजन हो रहा है। आइए इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। पिछले एक दशक से ग्रेटर नोएडा में हो रहे एशिया की सबसे बड़ी आटोमोबाइल सेक्टर की प्रदर्शनी आटो एक्सपो एक बार फिर दिल्ली में दस्तक देने जा रहा है। 17 से 22 जनवरी, 2025 तक प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में देशी-विदेशी 34 दिग्गज आटोमोबाइल कंपनियां अपनी चमचमाती कारों, बाइकों और उपकरणों का प्रदर्शन करने जा रही हैं। इस बार का आटो एक्सपो बिल्कुल नए रंग-रूप में होगा, क्योंकि आटोमोबाइल सेक्टर से जुड़े छह अलग-अलग सेक्टरों की प्रदर्शनियां राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के तीन अलग-अलग स्थलों (भारत मंडपम) पर भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो-2025 के तहत लगाई जा रही हैं। आटो-एक्सपो इसका एक हिस्सा होगा।

ऑटो एक्सपो 2025 में होंगे ये शो

इसके अलावा इंडिया इंटरनेशनल टायर शो, भारत बैट्री शो, स्टील पवेलियन, मोबिलिटी टेक पवेलियन और इंडिया साइकल शो का भी आयोजन हो रहा है। उद्देश्य यह है कि मोबिलिटी से जुड़े सभी सेक्टरों को एक साथ लाया जाए ताकि इनके बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित हो सके।आटोएक्सपो के प्रमुख आयोजक सोसायटी ऑफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स (सियाम) के महानिदेशक राजेश मेमन ने बताया कि, "आटो एक्सपो के पहले दो दिन मीडिया व बिजनेस के लिए होगा लेकिन 19 से 22 जनवरी तक यह आम जनता के लिए खुलेगा। इस बार की एक खासियत यह है कि आम जनता के लिए इंट्री फ्री होगी। इंट्री के लिए जोमैटो डिस्ट्रिक्ट एप या डीएमआरसी मोमेंट्म एप में पंजीयन कराना होगा। इसके लिए कोई शुल्क नहीं होगा। उम्मीद है कि जैसे वर्ष 2014 से पहले दिल्ली की जनता के लिए यह एक्सपो आकर्षण का केंद्र होता था, वैसा ही इस बार भी होगा। इस बार कुल 34 कार निर्माता कंपनियां हिस्सा ले रही हैं जो अपने आप में एक रिकार्ड है और यह बताता है कि क्यों भारतीय आटोमोबाइल बाजार को वैश्विक आटोमोबाइल बाजार के भविष्य के तौर पर देखा जा रहा है। कई कंपनियां पहली बार अपने वाहनों की वैश्विक लांचिंग करेंगी और यह भी बताएंगी कि भारतीय मोबिलिटी का भविष्य कैसा होगा।"

ये कंपनियां लेगी हिस्सा

एक्सपो में टोटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टोयोटा किर्लोस्कर, किया मोटर, हुंडई मोटर इंडिया, जेएसडब्लू एमजी मोटर की तरफ से भारतीय बाजार में पेश की जान वाली इलेक्ट्रिक वाहनों को पेश करने की तैयारी है। इसके अलावा बीएमडब्लू, मर्सिडीज बेंज, स्कोडा, टीवीएस मोटर, बजाज आटो, सुजुकी, इंडिया यामाहा, हीरो मोटोकार्प, होंडा मोटरसाइकिल जैसी दूसरी दिग्गज आटोमोबाइल कंपनियां भी अपनी प्रौद्योगिकी व उत्पादों को प्रदर्शित करेंगी।

पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

पीएम नरेन्द्र मोदी इसका उद्घाटन 17 जनवरी, 2025 को करेंगे। सनद रहे कि आटोएक्सपो का आयोजन हर दो वर्ष पर नई दिल्ली के प्रगति मैदान में होता रहा है। लेकिन वर्ष 2014 में इसमें निर्माण कार्य की शुरुआत होने पर इसे ग्रेटर नोएडा शिफ्ट कर दिया गया था। इस साल से यह फिर से नई दिल्ली में आ रहा है। केंद्र सरकार ने इस साल से इसके आयोजन को सिर्फ आटोमोबाइल कंपनियों तक ही सीमित नहीं रखा है बल्कि भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो के नाम से एक वृहत मोबिलिटी प्रदर्शनी को लगाने का फैसला किया गया है। इसमें परिवहन से जुड़े सभी दूसरे सेक्टरों को भी शामिल किया जा रहा है।

लाल, हरा, सफेद, नीला जैसे कितने रंगों में होती है नंबर प्लेट, किस रंग की प्लेट का कौन कर सकता है उपयोग

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में कई तरह के सेगमेंट में वाहनों का उपयोग किया जाता है। जिनमें अलग-अलग रंग की Number Plate का उपयोग किया जाता है। क्या आप जानते हैं कि देश में कितने रंगों की प्लेट्स का उपयोग किया जाता है। किस रंग की प्लेट का उपयोग किस तरह के वाहनों में किया (Number plate color guide) जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। जिसके बाद इनको निजी तौर पर चलाने से लेकर कमर्शियल वाहनों के तौर पर भी उपयोग में लाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कार, स्कूटर बाइक्स, बस ट्रक सभी पर एक ही रंग की नंबर प्लेट का उपयोग नहीं किया जाता। इनके उपयोग के आधार पर इनकी नंबर प्लेट के रंगों को अलग किया जाता है। किस रंग की नंबर प्लेट का किस तरह के वाहन में उपयोग (Number plate colors meaning) किया जाता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

सफेद रंग की नंबर प्लेट के साथ काले अक्षर

देश में सफेद रंग की नंबर प्लेट का उपयोग सबसे ज्यादा किया जाता है। इस रंग की नंबर प्लेट के साथ काले रंग के अक्षर दिए जाते हैं।

पीले रंग की नंबर प्लेट के साथ काले अक्षर

सफेद रंग वाली नंबर प्लेट के साथ काले रंग वाले अक्षर का उपयोग जहां निजी वाहनों के लिए किया जाता है वहीं पीले रंग वाली नंबर प्लेट के साथ काले रंगों के अक्षर का उपयोग कमर्शियल वाहनों के लिए होता है। इनका उपयोग टैक्सी, ट्रक, बस, ऑटो में किया जाता है, जिनको व्यवसायिक तौर पर काम में लिया जाता है।

काले रंग की नंबर प्लेट के साथ पीले अक्षर

काले रंग की नंबर प्लेट के साथ पीले अक्षर का उपयोग भी कमर्शियल वाहनों में ही किया जाता है। लेकिन ऐसी नंबर प्लेट की कार चलाने वालों को कमर्शियल लाइसेंस की जरुरत नहीं पड़ती। ज्यादातर होटल और लग्जरी वाहनों में ही इस तरह की नंबर प्लेट का उपयोग किया जाता है।

हरे रंग की नंबर प्लेट के साथ सफेद अक्षर

इलेक्ट्रिक वाहनों को हरे रंग की नंबर प्लेट के साथ उपयोग में लाया जाता है। इनमें से जिन इलेक्ट्रिक वाहनों को निजी तौर पर उपयोग के लिए खरीदा जाता है उन पर सफेद रंग के अक्षर दिए जाते हैं।

हरे रंग की नंबर प्लेट के साथ पीले अक्षर

हरे रंग की नंबर प्लेट का उपयोग तो सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहनों में ही होता है। लेकिन अगर इन पर पीले रंग से अक्षर लिखे जाते हैं तो ऐसे इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग कमर्शियल तौर पर होता है।

लाल रंग की नंबर प्लेट के साथ सफेद अक्षर

लाल रंग की नंबर प्लेट का उपयोग सिर्फ ऐसे वाहनों के लिए किया जा सकता है जिनका रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है। यह प्लेट सिर्फ अस्थाई तौर पर लगाई जाती है रजिस्ट्रेशन के बाद गाड़ी का नंबर आने के बाद सफेद या पीली नंबर प्लेट का उपयोग अनिवार्य होता है।

नीली नंबर प्लेट के साथ सफेद अक्षर

नीली नंबर प्लेट के साथ सफेद अक्षर का उपयोग सिर्फ दूसरे देशों के अधिकारी, दूतावास कर्मचारी ही कर सकते हैं। डिप्लोमैट्स को उनके देश के मुताबिक एक कोड दिया जाता है जिसका उपयोग वह अपनी नीली प्लेट के साथ करते हैं। आमतौर पर इनके बीच में सीडी या यूएन लिखा होता है जिसमें सीडी का मतलब कंट्री डिप्लोमेट और यूएन का मतलब यूनाइटेड नेशंस होता है।

तीर के निशान वाली काली नंबर प्लेट

देश में काफी कम संख्या में इस तरह की नंबर प्लेट का उपयोग किया जाता है। इस तरह की नंबर प्लेट का उपयोग सिर्फ सैन्य अधिकारी या सेना के वाहनों में होता है। खास बात यह होती है कि यह नंबर प्लेट सिर्फ रक्षा मंत्रालय के अधीन आती है और वहीं से इनको सेना के वाहनों में उपयोग करने के लिए जारी किया जाता है।

अशोक चिन्ह वाली नंबर प्लेट

भारत में सिर्फ राष्ट्रपति, राज्यपाल ही अशोक चिन्ह वाली नंबर प्लेट का उपयोग कर सकते हैं। इन नंबर प्लेट वाली कारों पर सिर्फ अशोक चिन्ह होता है और इनमें किसी भी राज्य या अथारिटी का नंबर नहीं होता।

महिंद्रा एक्सईवी 7e टेस्टिंग के दौरान हुई स्पॉट, डिजाइन समेत इंटिरियर की मिली डिटेल्स

Mahindra XEV 7e Spied Testing हाल में Mahindra XEV 7e के टेस्टिंग मॉडल को स्पॉट किया गया है। इसके टेस्टिंग मॉडल में बाहरी डिजाइन के डिटेल्स देखने के लिए मिले हैं। इसका फ्रंट फेसिया ICE XUV700 के समान दिखता है। वहीं इसमें BE 6 और XEV 9e के बैटरी पैक देखने के लिए मिल सकते हैं। इसे 2025 के आखिरी तक लॉन्च होने की उम्मीद है।

नई दिल्ली। महिंद्रा अपने इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो को बढ़ाने में लगी हुई है। हाल ही में कंपनी ने Mahindra BE 6 और XEV 9E को लॉन्च किया है। वहीं, अब कंपनी Mahindra XEV 7e को भी लाने की तैयारी कर रही है। इसे हाल ही में टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है। इसके टेस्टिंग मॉडल में डिजाइन से लेकर इंटीरियर तक की डिटेल देखने के लिए मिली है। आइए जानते हैं कि Mahindra XEV 7e के टेस्टिंग मॉडल में देखे फीचर्स के बारे में।

डिजाइन और फीचर्स

रसलेन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, XUV700 के इलेक्ट्रिक वर्जन को XUV.e8 नाम से पेश किया गया था। वहीं, हाल में EV और ट्रेडमार्क फाइलिंग के नामों के देखे तो XUV700 के इलेक्ट्रिक वर्जन को XEV 7e कहा जा सकता है। हाल ही में एक लीक हुई वीडियो में इसका प्रोडक्शन वर्जन देखने के लिए मिला है।

इसमें XEV 9e जैसा ट्राएंगल हेडलैंप हाउसिंग देखने के लिए मिला है। इसमें उल्टे L-आकार के DRL देखने के लिए मिले हैं। इसमें बम्पर सेक्शन नया है, जो 9e की तुलना में ज्यादा मजबूत दिख रहा है। इसका फ्रंट फेसिया ICE XUV700 के समान दिखता है। इसका साइड प्रोफाइल नए अलॉय व्हील डिजाइन के साथ अलग दिखता है।

इंटीरियर

XEV 7e 3-रो सीटिंग के साथ आएगी, जैसा इसका ICE वर्जन है। इसके दूसरी पंक्ति में कैप्टन सीट मिल सकती है। इसमें एम्बिएंट लाइटिंग, पैनोरमिक सनरूफ और लेदरेट अपहोल्स्ट्री जैसे प्रीमियम फीचर्स देखने के लिए मिल सकते हैं।

इसके सात ही यह वेंटिलेटेड सीटें, मल्टी-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, मेमोरी फंक्शन के साथ इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल सीटें और प्रीमियम ऑडियो सिस्टम के साथ आ सकती है। XEV 7e में तीन-स्क्रीन सेटअप देखने के लिए मिल सकता है।

परफॉर्मेंस और रेंज

XEV 7e के पावरट्रेन की डिटेल्स तो अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन हमें उम्मीद है कि इसमें BE 6 और XEV 9e के बैटरी पैक देखने के लिए मिल सकते हैं। इसमें पैक वन वेरिएंट के साथ 59-kWh बैटरी पैक और पैक थ्री वेरिएंट के साथ 79-kWh यूनिट दी जा सकती है। हमें उम्मीद है कि यह करीब 650 किलोमीटर रेंज के साथ आ सकती है।

वहीं, अभी तक XEV 7e के लॉन्च की आधिकारिक टाइमलाइन सामने नहीं है, लेकिन इसे 2025 के साल के अंत तक भारत में लॉन्च किया जा सकता है। इसकी शुरुआती कीमत करीब 21 लाख रुपये के आसपास हो सकती है।

नई होंडा CBR650R भारत में हुई लॉन्च, ऑटो एक्सपो 2025 में भी होगी शोकेस

परिवहन विशेष न्यूज

होंडा CBR650R भारत में लॉन्च होंडा टू-व्हीलर ने नई CBR650R को भारत में लॉन्च कर दिया है। इसकी डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू की जाएगी। इसे लॉन्च करने के साथ ही कंपनी ने बुकिंग भी शुरू कर दी है। इसमें ऑल-एलईडी लाइट्स TFT डिस्प्ले समेत कई बेहतरीन फीचर्स दिए गए हैं। इसमें ट्विन LED हेडलाइट्स फेयरिंग पर कट और क्रीज और अपस्वेप्ट टेल दी गई है।

नई दिल्ली। 2025 Honda CBR650R को होंडा टू-व्हीलर जल्द ही भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया गया है। इसके साथ ही कंपनी इसे भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश भी करने वाली है। यह पिछली से काफी अलग है। इसे ज्यादा स्पोर्ट लुक समेत आकर्षक ग्रैंड प्रिक्स रेड कलरवे के साथ लेकर आया गया है। आइए जानते हैं कि 2025 Honda CBR650R किन फीचर्स के साथ लॉन्च किया गया है।

डिजाइन

नई Honda CBR650R का डिजाइन पहले के मुकाबले ज्यादा शार्प और एंग्री दिया गया है। इसमें लीटर-क्लास CBR की डिजाइन को जारी रखा गया है। बाइक को ट्विन LED हेडलाइट्स, फेयरिंग पर कट और क्रीज और अपस्वेप्ट टेल दिया गया है, जो मिलकर CBR650R को एक शानदार स्पोर्टी लुक देते हैं। इसमें एक अट्रैक्टिव ग्रैंड प्रिक्स रेड कलरवे में लाया गया है।

इसके साथ ही इसके बॉडी वर्क के नीचे, एक स्टील डायमंड फ्रेम का इस्तेमाल किया गया है, जिसे शोवा SFF USD फोर्क और 10-स्टेप प्रीलोड एडजस्टमेंट के साथ एक मोनोशॉक के जरिए सस्पेंड किया गया है। बाइक में आगे और पीछे दोनों तरफ ही 17 इंच के पहिए लगाए गए हैं। वहीं, इसके ब्रेकिंग की बात करें तो इसमें आगे की तरफ ट्विन डिस्क और पीछे की तरफ डिस्क ब्रेक दिया गया है, जिससे इसकी ब्रेकिंग सिस्टम काफी बेहतर हुई है।

इंजन

नई Honda CBR650R में 649cc, लिक्विड-कूल्ड, फोर-सिलेंडर इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इसमें लगा हुआ इंजन 12,000rpm पर 93 bhp की पावर और 9,500rpm पर 63 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं, इसके इंजन को छह-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। कंपनी इसे ई-क्लच वेरिएंट के साथ भी पेश कर सकती है। इसमें कुछ सर्वो मोटर दिए गए हैं, जो गियर शिफ्टिंग में मदद करते हैं। नए Honda CBR650R के फीचर्स की बात करें तो इसमें ऑल-एलईडी लाइट्स, TFT डिस्प्ले समेत और भी कई बेहतरीन फीचर्स से लैस किया गया है।

फीचर्स और कीमत

कंपनी इसे भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। Honda CB650R की एक्स-शोरूम कीमत 9.20 लाख रुपये रखी गई है। वहीं, Honda CBR650R की एक्स-शोरूम कीमत 9.99 लाख रुपये निर्धारित की गई है। कंपनी इनकी बुकिंग शुरू कर दी है। इसकी डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू किया जाएगा।

ऑटो एक्सपो 2025 में यामाहा पेश करेगी ये बाइक, लिस्ट में MT-09 और टेनियर 700 शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में Yamaha अपनी कई मोटरसाइकिल को पेश करने वाली है। यामाहा की तरफ से Auto Expo 2025 में पेश होने वाली मोटरसाइकिल की लिस्ट में Yamaha MT-09 R9 R7 MT-07 Tenere 700 XSR 155 FZ-X हाइब्रिड और FZ फ्लेक्स-फ्यूल शामिल है। आइए जानते हैं कि Yamaha की यह मोटरसाइकिल किन फीचर्स (Yamaha Bikes at Auto Expo 2025) के साथ आती है।

नई दिल्ली। भारत मोबिलिटी एक्सपो 2025 का आयोजन 17 जनवरी से लेकर 22 जनवरी तक आयोजित होने वाली है। इसमें 100 से ज्यादा वाहन निर्माता कंपनियां हिस्सा लेने वाली है। इस लिस्ट में Yamaha Motor India का भी नाम शामिल है। यामाहा ऑटो एक्सपो 2025 में अपनी भारतीय लाइनअप को दिखाएगी। इसमें MT-09 से लेकर FZ-X हाइब्रिड तक शामिल है। आइए इनके बारे में जानते हैं।

Yamaha MT-09 और R9

यामाहा MT-09 एक नेकेड बाइक है। इसमें 890cc, लिक्विड-कूल्ड, तीन-सिलेंडर इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इसमें लगा हुआ इंजन 119 PS की पावर और 93 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। इसमें स्लिपर क्लच और द्वि-दिशात्मक क्विकशिफ्टर दिया गया है। वहीं, R9 MT-09 का पूरी तरह से फेयर्ड वर्शन है। इसका प्लेटफॉर्म भी MT-09 के जैसा है।

Yamaha R7 और MT-07

यामाहा R7 और MT-07 को ऑटो एक्सपो 2025 में पेश किया जाएगा। इसमें 689 cc, लिक्विड-कूल्ड, पैरेलल-ट्विन इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इसके इसका इंजन 73.4 PS की पावर और 67 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसके इंजन को स्लिप-एंड-असिस्ट क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। MT-07, R7 का नेकेड, स्ट्रीट बाइक वेरिएंट है। इसके फेयपिंग को छोड़कर इसके सभी हिस्से R7 से ही मिलते हैं।

Yamaha Tenere 700

यामाहा टेनेरे 700 एक एडवेंचर बाइक है। इसमें 689 cc, पैरेलल-ट्विन इंजन का इस्तेमाल किया गया है। इसमें लॉन्ग-ट्रेल सस्पेंशन और स्विचेबल ABS मोड दिया गया है। यह एक शानदार ऑफ-रोड बाइक है। इसे भी MT-07 और R7 के साथ ऑटो एक्सपो 2025 में पेश किया जाएगा।

Yamaha XSR 155

इसके भारत में लॉन्च होने में काफी समय लग सकता है, भारत में लॉन्च होने से पहले इसे ऑटो एक्सपो 2025 में पेश किया जा सकता है। इसमें R15 V4 और MT-15 V2 के समान 155cc इंजन का इस्तेमाल किया गया है। यह एक नियो-क्लासिक बाइक है और इसे रेट्रो स्टाइल दिया गया है। इसमें लिक्विड-कूल्ड इंजन, इनवर्टेड फोर्क, मोनोशॉक, पेरिमीटर फ्रेम, ABS और ट्रैक्शन कंट्रोल जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं।

Yamaha FZ-X हाइब्रिड और FZ फ्लेक्स-फ्यूल

2025 यामाहा FZ-X में स्मार्ट मोटर जेनरेटर (SMG) हाइब्रिड पावरट्रेन दिया गया है। इसमें साइलेंट स्टार्ट के लिए इलेक्ट्रिक मोटर को पावर देने के लिए एक छोटी बैटरी दी गई है। इसके अलावा, इसे ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन और म्यूजिक कंट्रोल के साथ एक रंगीन TFT इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे फीचर्स से लैस किया गया है। यामाहा जल्द ही FZ फ्लेक्स-फ्यूल के नए मॉडल को लॉन्च किया जा सकता है। इसे भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में भी पेश किया जा सकता है।

2024 समीक्षा में: मैथ्स सोसाइटी गणित में एक वर्ष की समीक्षा करती है

विजय गर्ग

आश्चर्यजनक रूप से मानव स्थिति और हमारे दैनिक जीवन में इसके महत्व को देखते हुए, शायद ही आप हमारी खबरों में गणित के बारे में सुनेंगे। आपके लिए यह मान लेना समझ में आएगा कि इस कारण गणित स्थिर और अपरिवर्तनीय है। हालाँकि, हमेशा की तरह 2024 में, दुनिया भर के कुछ सबसे चतुर लोग हमारी दुनिया को बदलने की क्षमता वाली पुरानी और नई दोनों समस्याओं, सिद्धांतों और कार्यक्रमों पर काम कर रहे हैं। चाहे वह हमें गणित के एक महान एकीकृत सिद्धांत के निर्माण के करीब लाना हो, हमारे ब्रह्मांड में यादृच्छिकता को समझना हो, गणित में एआई की आश्चर्यजनक प्रगति हो, या यहां तक कि एक नए अभाज्य संख्या की खोज करना हो, गणित की दुनिया में कई महान उपलब्धियां रही हैं। पिछले वर्ष के दौरान. नये वैज्ञानिक इसमें तीन दशक, पांच अकादमिक अध्ययन और एक हजार पेज लगे होंगे, लेकिन इस साल सैम रस्किन के नेतृत्व में नौ गणितज्ञों की एक टीम ने गणित का एक तिहाई हिस्सा हल कर लिया है जिसे 'रोसेटा स्टोन' कहा जाता है। इस उपलब्धि को गणित, भौतिकी और क्वांटम क्षेत्र सिद्धांत के लिए दूरगामी प्रभाव के रूप में सराहा गया है। 1960 के दशक के अंत में रॉबर्ट लैंगलैंड्स द्वारा शुरू किया गया, लैंगलैंड्स कार्यक्रम अभी तक सिद्ध न होने वाले विचारों की एक श्रृंखला है जो गणित के प्रतीत होने वाले असंबंधित क्षेत्रों के बीच गहरे संबंध स्थापित करता है, जटिल तरंगों को सुचारू रूप से दोलन करने वाली साइन तरंगों में अनुवाद करता है। ये अनुमान आधुनिक गणित के लिए मौलिक रहे हैं और गणितीय विचारों के बारे में सोचने के नए तरीकों को खोलते हैं। रोसेटा स्टोन की तरह, कार्यक्रम गणित की तीन अलग-अलग शाखाओं को शामिल करता है: संख्या सिद्धांत, हार्मोनिक विश्लेषण और ज्यामिति। कागजात के एक नए सेट ने अब इस रोसेटा स्टोन के ज्यामितीय स्तंभ में लैंगलैंड्स अनुमान को व्यवस्थित कर दिया है, जिसमें पांच कागजात में फैले 800 से अधिक पृष्ठों का प्रमाण शामिल है। रस्किन का शोध विशेष रूप से बीजगणितीय ज्यामिति पर केंद्रित है: बीजगणितीय समीकरणों की कल्पना करने के लिए आकृतियों और ज्यामिति का उपयोग करना। टीम ने समस्या के मूल में कई रास्ते खोजने, ₹समस्या को हर दिशा से घेरने₹ की बात कही ताकि ₹उसके पास भागने का कोई रास्ता न हो₹ और समस्या से निपटने के लिए विचारों का ₹उगता समुद्र₹ तैयार किया जा सके। ₹यह बेहद सुंदर, सुंदर गणित है, जो अन्य गणित और गणितीय भौतिकी के साथ बहुत जुड़ा हुआ है।₹ - अलेक्जेंडर बेइलिंसन, लैंगलैंड्स कार्यक्रम के ज्यामितीय संस्करण के मुख्य प्रवर्तकों में से एक "हम हमेशा से जानते थे कि कुछ बहुत बड़ा रहस्य है, और जब तक हम उसे सुलझा नहीं लेते, हम पूर्ण प्रमाण नहीं दे पाएंगे। मैंने सोचा था कि इसे साबित करने में दशकों लगेंगे, और अचानक उन्होंने इसे साबित कर दिया।" "गणितीय अनुसंधान आवश्यक रूप से बड़ी समस्याओं के लिए तैयार नहीं है, बल्कि यह वृद्धिशील प्रगति और चीजों को थोड़ा बेहतर ढंग से समझने के लिए तैयार है। और कभी-कभी आपके पास एक नया विचार होता है जो दिलचस्प होता है, और आप उसके साथ खेलते हैं; यदि आप वास्तव में भाग्यशाली हैं, तो यह कुछ बड़ी चीज़ों से जुड़ता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उदय: अंतर्राष्ट्रीय गणितीय ओलंपियाड का सबसे महत्वपूर्ण रजत पदक विजेता? Google DeepMind द्वारा विकसित दो मशीनों ने भी प्रतियोगिता में प्रवेश किया, जिन्हें आकर्षक रूप से AlphaProof और AlphaGeometry 2 नाम दिया गया। प्रतिस्पर्धी छात्रों के लिए आवंटित समय की तुलना में कुछ समस्याओं पर अधिक समय लेने के बावजूद, कार्यक्रमों ने एक साथ छह समस्याओं में से चार को हल किया और 28 में से 28 का स्कोर हासिल किया। 42, रजत पदक विजेता का स्तर। दुनिया भर से केवल 60 युवा गणितज्ञों ने उच्च अंक प्राप्त किये। अल्फ़ाजियोमेट्री 2 ने ज्योमेट्री समस्या को केवल 19 में सही ढंग से हल कियासेकंड, जबकि अल्फ़ाप्रूफ़ एक संख्या सिद्धांत और दो बीजगणित समस्याओं को हल करने में सक्षम था, जिसमें एक समस्या भी शामिल थी जिसे केवल पांच मानव प्रतियोगी हल करने में कामयाब रहे। अल्फ़ाप्रूफ़ को कुछ समस्याओं को हल करने में 60 घंटे तक का समय लगा, जो छात्रों के लिए उपलब्ध 9 घंटों से काफी अधिक है, और जबकि इतने समय में छात्रों ने निस्संदेह अधिक उच्च अंक प्राप्त किए होंगे, यह अभी भी प्रदर्शन में एक बड़ी सफलता है प्रमेय सॉल्वर, और जैसे-जैसे दक्षता बढ़ती है, इस समय में कमी आना तय है। मॉडल दो संयुक्त समस्याओं (कुछ बाधाओं के अनुसार एक सेट से वस्तुओं को व्यवस्थित करने, संयोजित करने या चयन करने के तरीकों की संख्या ढूंढना) को हल करने में विफल रहा, संभवतः क्योंकि उन्हें प्रोग्रामिंग भाषाओं में अनुवाद करना बहुत मुश्किल है। अल्फाप्रूफ उसी तरह से काम करता है जैसे शतरंज और गो जैसे बोर्ड गेम में महारत हासिल करने वाले एल्गोरिदम, खुद के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने और कदम दर कदम सुधार करने के लिए सुदृढीकरण सीखने का उपयोग करते हैं। बोर्ड गेम के लिए इसे लागू करना काफी सरल है, क्योंकि एआई कई चालें चलता है और अगर वह जीत नहीं पाता है तो अगली बार नई रणनीतियां आजमाता है। हालाँकि, गणित में, प्रोग्राम को न केवल यह जाँचना होता है कि उसे सही उत्तर मिल गया है, बल्कि यह भी जाँचना होता है कि उसके प्रत्येक तर्क चरण सही हैं। ऐसा करने के लिए, अल्फ़ाप्रूफ़ ने एक प्रूफ असिस्टेंट, एक एल्गोरिदम का उपयोग किया, जो एआई के तार्किक तर्क में चरणों की जाँच करता था। ये दशकों से मौजूद हैं, हालाँकि चूँकि अल्फाप्रूफ़ की मूल भाषा लीन जैसी भाषा में बहुत कम गणित की समस्याएं लिखी गई हैं, इसलिए उनका उपयोग सीमित कर दिया गया है। हालाँकि, इंटरनेट गणित की समस्याओं का एक अंतहीन संसाधन है जिसे मनुष्यों ने मानव भाषाओं में चरण-दर-चरण हल किया है। डीपमाइंड टीम ने अल्फाप्रूफ को प्रशिक्षित करने के लिए प्रूफ सहायक द्वारा उपयोग की जाने वाली लीन प्रोग्रामिंग भाषा में दस लाख समस्याओं का अनुवाद करने के लिए बड़े भाषा मॉडल जेमिनी को प्रशिक्षित किया। डीपमाइंड का कहना है, ₹जब कोई समस्या सामने आती है, तो अल्फ़ाप्रूफ समाधान उम्मीदवार तैयार करता है और फिर लीन में संभावित प्रमाण चरणों की खोज करके उन्हें साबित या अस्वीकृत कर देता है।₹ अल्फ़ाप्रूफ़

धीरे-धीरे उन प्रमाण चरणों को सीखता है जो उपयोगी हैं और जो उपयोगी नहीं हैं, और अधिक जटिल समस्याओं को हल करने की अपनी क्षमता में सुधार करता है। हालाँकि, ज्यामिति समस्याओं के लिए बहुत अलग दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। अल्फ़ाजियोमेट्री 2 जनवरी में डीपमाइंड द्वारा जारी किए गए मॉडल का एक विकास है जो आईएमओ ज्यामिति समस्याओं को सफलतापूर्वक हल कर सकता है। यह मॉडल ज्यामितीय परिसरों के एक बड़े सेट का उपयोग करता है, उदाहरण के लिए दी गई लंबाई और बिंदुओं वाला एक त्रिकोण, और आकृति के गुणों का अनुमान लगाने के लिए 'कटौती इंजन' का उपयोग करता है। विशेषज्ञों ने एआई को प्रमेयों और प्रमाणों के प्रशिक्षण डेटासेट पर प्रशिक्षित किया, साथ ही एक बड़े भाषा मॉडल के साथ जो कभी-कभी 'सहायक निर्माण' का उपयोग करता है, उदाहरण के लिए लंबवत बनाने के लिए एक रेखा का विस्तार करना। यह निश्चित रूप से गणित में एआई की प्रगति की शुरुआत है, और यह दर्शाता है कि कैसे एआई क्षमता में आश्चर्यजनक छलांग लगा रहा है, और शायद ओलंपियाड गणित समस्याओं का एक बार सोचा-अपराजेय क्षेत्र उनकी पहुंच के थोड़ा करीब है। कितना यादृच्छिक! मिशेल टैलाग्रैंड को 'गणित का नोबेल पुरस्कार' मिला पीटर बैज/टाइपो1/एबेल पुरस्कार 2024 इस साल की शुरुआत में, फ्रांसीसी गणितज्ञ मिशेल टैलाग्रैंड को ब्रह्मांड की यादृच्छिकता का वर्णन और भविष्यवाणी करने में उनके ₹अभूतपूर्व योगदान₹ के लिए 2024 एबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। "कम से कम चार सेकंड के लिए मेरे दिमाग में एक खालीपन था। अगर मुझे बताया गया होता कि व्हाइट हाउस के सामने एक विदेशी जहाज उतरा है, तो मुझे ज्यादा आश्चर्य नहीं होता। - टैलाग्रैंड अपने पुरस्कार की खबर सुनने का वर्णन करते हुए "यह पसंद हैई कला का एक टुकड़ा. यहां जादू एक अच्छा अनुमान ढूंढना है, न कि केवल एक मोटा अनुमान लगाना।₹ - हेज होल्डन, नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के गणितज्ञ और एबेल समिति के अध्यक्ष एबेल पुरस्कार, जिसका नाम नॉर्वेजियन गणितज्ञ नील्स हेंड्रिक एबेल के नाम पर रखा गया है, गणित की दुनिया में नोबेल पुरस्कार के सबसे करीब है और इस क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक है, जिसे नॉर्वे के राजा द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है। विजेता को पांच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त गणितज्ञों की एक समिति द्वारा चुना जाता है और उसे 7.5 मिलियन क्रोनर (£858,941) का चेक मिलता है। टैलाग्रैंड का काम उन प्रणालियों पर केंद्रित है जो एक निश्चित समय और स्थान में यादृच्छिक चर को मॉडल करते हैं, जिन्हें स्टोकेस्टिक सिस्टम के रूप में जाना जाता है, उदाहरण के लिए बहती नदी की ऊंचाई, स्टॉक की कीमतें, अस्पताल में मरीजों की संख्या, गैस अणुओं की गति और यहां तक कि पथ भी। एक लड़खड़ाते हुए शराबी का. फ्रांसीसी इन प्रणालियों को गणितीय असमानताओं का उपयोग करके उनकी सीमाओं के लक्षण वर्णन में सुधार करने, जटिल प्रणालियों को ज्यामितीय शब्दों में बदलने और सटीक अनुमान प्राप्त करने के लिए समझते हैं। "यह पता चला कि समाधान उतना कठिन नहीं था। लेकिन निस्संदेह, आप सुबह उठकर इसका पता नहीं लगा सकते। बहुत विनम्र कार्य करना होगा।" – तालग्रैंड टैलाग्रैंड के तरीकों का उपयोग करने से यह पता चल सकता है कि तेज़ जलमार्ग के किनारे सुरक्षित रूप से कहाँ घर बनाया जाए, या बैक्टीरिया की आबादी की वृद्धि का अनुमान कैसे लगाया जाए। एबेल समिति ने उनके काम के एक अन्य पहलू की भी सराहना की, जो दर्शाता है कि यादृच्छिक प्रणालियों में भी पूर्वानुमान के कुछ तत्व होते हैं, उदाहरण के लिए एक पासे को 600 बार घुमाने पर अनुमानित रूप से छह को लगभग 100 बार घुमाने का परिणाम मिलेगा। 72 वर्षीय व्यक्ति का काम यह देखते हुए और भी प्रभावशाली है कि, एक आनुवंशिक स्थिति के कारण, वह 5 साल की उम्र में अपनी दाहिनी आंख से अंधे हो गए और 15 साल की उम्र में अपनी बाईं आंख से अंधे हो गए। अस्पताल में लंबे इलाज के दौरान, उनके पिता ने उन्हें गणित की शिक्षा दी। दूसरी घटना से पहले खुद को औसत छात्र बताने वाला मिशेल गणित के लिए तेज़ दिमाग के साथ स्कूल लौटा। टैलाग्रैंड ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया, ₹यह पता चला कि समाधान उतना मुश्किल नहीं था।₹ "लेकिन निश्चित रूप से, आप सुबह उठकर इसका पता नहीं लगा सकते। बहुत विनम्र कार्य करना होगा।" गणितज्ञ, जो अब 72 वर्ष के हैं, ने अपने जीवन के लिए भी इसी तरह का दृष्टिकोण अपनाया है। 5 साल की उम्र में उनकी दाहिनी आँख की रेटिना अलग हो जाने के कारण वे अंधे हो गए और एक दशक बाद आनुवंशिक स्थिति के परिणामस्वरूप उनकी बायीं आँख के साथ भी ऐसा ही हुआ। उनका एक अस्पताल में लंबा इलाज चला, जहां उनके पिता, जो एक विश्वविद्यालय के गणित प्रोफेसर थे, ने युवा टैलाग्रैंड को अनुशासन सिखाया। उस दूसरी घटना से पहले वह स्वयं को एक औसत छात्र बताता था, वह गणित के लिए तेज़ दिमाग के साथ स्कूल लौटा। आज के छात्रों के लिए उनकी सलाह: ₹आप किसी समस्या को हल करने में 10 बार असफल हो सकते हैं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप 11वें प्रयास में सफल हो जाते हैं।₹ "मैं गणित आसानी से नहीं सीख पा रहा हूँ। मुझे काम करना है. इसमें बहुत लंबा समय लगता है और मेरी याददाश्त बहुत भयानक है। मैं चीजें भूल जाता हूं. इसलिए मैं विकलांगताओं के बावजूद काम करने की कोशिश करता हूं, और जिस तरह से मैंने काम किया वह साधारण चीजों को वास्तव में अच्छी तरह से समझने की कोशिश कर रहा था। सचमुच, बहुत बढ़िया, पूरे विवरण में। और यह एक सफल दृष्टिकोण साबित हुआ।" – तालग्रैंड 43 वर्षों तक फ्रेंच नेशनल सेंटर फॉर साइंटिफिक रिसर्च (CNRS) में काम करने के बाद टैलाग्रैंड 2017 में सेवानिवृत्त हो गए, और 2003 में इसकी स्थापना के बाद से एबेल पुरस्कार के 27वें और पांचवें फ्रांसीसी प्राप्तकर्ता बन गए हैं। जिस वर्ष हमने अपना माल्टेसर-टीज़र प्रयोग आयोजित किया था, जहां लोगों को कुछ विवरण देकर जार में गोलाकार चॉकलेटों की संख्या का अनुमान लगाना पड़ता था, वहीं गोले पैक करने के गणितीय रूप से सर्वोत्तम तरीकों पर नई प्रगति हुई, लेकिन उच्च आयामों में। लैंगलैंड्स अनुमानों की तुलना में गोलाकार पैकिंग को समझना निश्चित रूप से बहुत आसान है। प्रश्न सरल है: आप ओवरलैपिंग के बिना यथासंभव अधिक मात्रा भरने के लिए समान क्षेत्रों की व्यवस्था कैसे करते हैं? हम गोले पैकिंग के सर्वोत्तम तरीके का अध्ययन कर रहे हैं, जब से जोहान्स केपलर ने 1611 में कहा था कि समान आकार के गोले को पैक करने का सबसे प्रभावी तरीका उन्हें एक पिरामिड में रखना है, जैसा कि आप आज दुकानों पर संतरे के साथ देखते हैं। यह सरल लग सकता है, लेकिन यह 1998 तक तय नहीं हुआ था, जब थॉमस हेल्स ने अंततः 250 पृष्ठों के गणितीय तर्कों के साथ केप्लर के अनुमान को साबित कर दिया था। मैरीना वियाज़ोव्स्का को विशेष रूप से आठ और 24 आयामों में तीन से अधिक आयामों में गोले को पैक करने के लिए इष्टतम लैटिस खोजने वाली पहली महिला होने के लिए सम्मानित किया गया था, उपलब्धियों ने उन्हें 2022 में प्रतिष्ठित फील्ड्स मेडल दिलाया, ऐसा करने वाली वह केवल दूसरी महिला और दूसरी यूक्रेनी थीं। . हालाँकि, गणितज्ञ एक सामान्य समाधान भी चाहते हैं जो मनमाने ढंग से उच्च आयामों में गोले को सघन रूप से पैक करने का एक तरीका प्रदान करे, भले ही पैकिंग पूरी तरह से इष्टतम न हो। आख़िरकार, गणितज्ञ अवधारणाओं को उच्च आयामों में सामान्यीकृत करना पसंद करते हैं। आप चौकों को चेकबोर्ड की तरह व्यवस्थित करते हैं। आप घनों को चलते बक्सों की तरह व्यवस्थित करते हैं। यह उच्च आयामों के लिए सामान्यीकरण करता है। हालाँकि, गोले पैक करना बहुत कठिन है। दो, तीन, आठ और 24 आयामों में ज्ञात इष्टतम गोलाकार पैकिंग जाली के समान हैं या हैं, जो पैटर्न और समरूपता से भरी हैं लेकिन हर दूसरे आयाम में, सर्वोत्तम पैकिंग पूरी तरह से अव्यवस्थित हो सकती है। इस वर्ष चार गणितज्ञों की एक टीम ने 75 से अधिक वर्षों में गोला पैकिंग समस्या के इस पहलू पर पहली बड़ी प्रगति की, एक नए दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए पिछली पैकिंग की दक्षता में सुधार किया: गोले को अच्छे, व्यवस्थित तरीके से पैक करने के बजाय , जैसा कि वियाज़ोव्स्का ने किया था, गणितज्ञों ने बहुत ही अव्यवस्थित तरीके से गोले को पैक करने के लिए ग्राफ सिद्धांत का उपयोग किया। इस वर्ष अन्य गोला पैकिंग विकास भी हुए, जिसमें थॉमस हेल्स सहित दो गणितज्ञों ने गोले पैक करने के लिए सबसे खराब कॉन्फ़िगरेशन साबित किया। शायद 24 आयामों में गोले पैक करने से भावी माल्टेसर-टीज़र प्रतियोगियों को चॉकलेट का एक जार जीतने में मदद नहीं मिलेगी, लेकिन यह शोर के माध्यम से सिग्नल भेजने के लिए मोबाइल फोन, अंतरिक्ष जांच और इंटरनेट द्वारा उपयोग किए जाने वाले त्रुटि-सुधार कोड में स्वाभाविक रूप से उपयोगी है। चैनल. जब से यूक्लिड ने 2,300 साल पहले स्थापित किया कि अभाज्य संख्याओं की अनंत संख्या होती है, जिन्हें केवल एक और एक से विभाजित किया जा सकता है, तब से गणितज्ञों द्वारा सबसे बड़े अभाज्य खोजने की खोज जारी है, जो बड़ी मात्रा में कंप्यूटिंग शक्ति जुटाते हैं। और एल्गोरिथम संबंधी सरलता इस उम्मीद में कि उनका नाम इतिहास की किताबों में दर्ज हो जाएगा। दुनिया के सबसे बड़े प्राइम के लिए नवीनतम रिकॉर्ड धारक कैलिफोर्निया के ल्यूक ड्यूरेंट हैं, जिनकी खोज में 41,024,320 अंक शामिल हैं, जिन्हें समझा नहीं जा सकता। इसे संदर्भ में रखने के लिए, यह अवलोकन योग्य ब्रह्मांड में परमाणुओं की संख्या (लगभग 80 अंक) का लगभग पांच लाख गुना है, और इसे पढ़ने में लगभग 230 दिन लगेंगे। अभाज्य संख्याएँ शुद्ध गणित में एक प्रमुख भूमिका निभाती हैं, संख्या सिद्धांत में और वास्तविक दुनिया में, उदाहरण के लिए एनक्रिप्शन एल्गोरिदम में, सबसे महत्वपूर्ण संख्याएँ हैं। ड्यूरैंट की सफलता कुछ हद तक ग्रेट इंटरनेट मेर्सन प्राइम सर्च के नए सॉफ़्टवेयर और उसके स्वयं के हेवी-ड्यूटी हार्डवेयर से आई। वह इकट्ठा हुआ17 देशों में क्लाउड में एक सुपरकंप्यूटर, जो पर्सनल कंप्यूटर द्वारा प्राइम की खोज करने की लंबी परंपरा को समाप्त करके छह वर्षों से कायम प्राइम रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास कर रहा है। 1951 तक, अभाज्य अंक हाथ से खोजे जाते थे, लेकिन कंप्यूटर ने जल्द ही खोज का काम अपने हाथ में ले लिया। जैसे-जैसे शौकीनों ने बड़ी और बड़ी अभाज्य संख्याओं को खोजना शुरू किया, उन्होंने विशिष्ट प्रकार के अभाज्य संख्याओं को देखना शुरू कर दिया। मेर्सन प्राइम्स, जिसका नाम 17वीं सदी के फ्रांसीसी धर्मशास्त्री जिन्होंने उनका अध्ययन किया था, मैरिन मेर्सन के नाम पर रखा गया है, वे अभाज्य संख्याएँ हैं जो दो को एक अभाज्य संख्या से गुणा करके और फिर एक घटाकर (2n-1 जहाँ n अभाज्य है) उत्पन्न होती हैं। यह हमेशा एक अभाज्य परिणाम नहीं देता है, लेकिन हमारे पास एक त्वरित विधि है जिसे लुकास-लेहमर प्राइमैलिटी परीक्षण के रूप में जाना जाता है ताकि यह जांचा जा सके कि इस सूत्र द्वारा उत्पन्न संख्याएँ अभाज्य हैं या नहीं। इस परीक्षण ने ग्रेट इंटरनेट मेर्सन प्राइम सर्च को बढ़ावा दिया, जिसने 1996 से शौकीनों को मुफ्त कोड डाउनलोड करने की अनुमति दी है जो उनके कंप्यूटर पर मेर्सन प्राइम की खोज करता है। सात सबसे बड़े ज्ञात अभाज्य सभी मेर्सन अभाज्य हैं जो शौकिया उत्साही लोगों द्वारा पाए गए हैं। क्या आप अपना नाम अभाज्य संख्या इतिहास की पुस्तकों में दर्ज कराना चाहते हैं? क्या आप अगले वर्ष और भी आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं? खैर, आपको अपने पीछे प्रचुर कंप्यूटिंग शक्ति की आवश्यकता होगी। हालाँकि यह सामान्य रूप से गणित की दुनिया के लिए एक बड़ा वर्ष रहा है, यह मैथ्स सोसाइटी में हम सभी के लिए विशेष रूप से विशेष वर्ष रहा है। चाहे वह मार्च में हमारी एजीएम हो, हमारा उपरोक्त माल्टेसर-टीज़र स्टॉल, हमारे पॉडकास्ट के पायलट एपिसोड की रिकॉर्डिंग, हमारा न्यूज़लेटर लॉन्च करना, या यहां तक कि सिर्फ एक लेख प्रकाशित करना या बैठक आयोजित करना, यह पिछला साल अविस्मरणीय रहा है। लेकिन, हमेशा की तरह जब पुराने साल को देखते हैं, तो सबसे रोमांचक हिस्सा वह सब कुछ जानना है जो अगले साल संभव है और उन सभी को धन्यवाद देना याद रखना जिन्होंने इस दौरान आपका साथ दिया और समर्थन किया। इसलिए, जो कोई भी इस फीचर को पढ़ रहा है, मैथ्स सोसायटी के सभी लोगों की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद। खैर, 2024 कैसा साल था। यदि आप अकादमिक क्षेत्र में करियर बनाने पर विचार कर रहे हैं, या केवल गणित और गणितज्ञों के प्रशंसक हैं, उम्मीद है कि जब हम अवसरों से भरे नए साल में प्रवेश कर रहे हैं, तो आप इन कहानियों से प्रेरित हो सकते हैं, इस वर्ष की केवल कुछ चुनिंदा घटनाएं, और सराहना करें कि गणित की दुनिया में वास्तव में क्या संभव है।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार
स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

कुछ के लिए शिक्षा

विजय गर्ग

पिछले कुछ वर्षों में पूरे भारत में शैक्षिक उपलब्धि में लैंगिक अंतर कम हुआ है। उच्च माध्यमिक छात्रों में लड़कियों की नामांकन दर 55.7% के साथ पश्चिम बंगाल सबसे अधिक है, इसके बाद छत्तीसगढ़ (53.1%) और तमिलनाडु (51.2%) का स्थान है। इस उपलब्धि का श्रेय मुख्य रूप से शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2005 के कार्यान्वयन, विभिन्न शैक्षिक प्रोत्साहनों और बढ़ती माता-पिता की आकांक्षाओं को दिया जाता है। हालाँकि, लैंगिक भेदभाव अभी भी कायम है क्योंकि परिवार अभी भी अपने बेटों को निजी तौर पर प्रबंधित स्कूलों में भेजने को प्राथमिकता देते हैं। एक व्यापक धारणा है कि निजी स्कूल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं, जिससे इन संस्थानों में लड़कों का प्रतिनिधित्व अधिक होता है। जबकि सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली अधिकांश छात्रों को, विशेष रूप से माध्यमिक स्तर पर, सेवा प्रदान कर रही है, पिछले कुछ दशकों में सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता के बारे में चिंताएँ विवाद का विषय रही हैं। पश्चिम बंगाल के लिए विभिन्न वर्षों के यूडीआईएसई के डेटा से यह स्पष्ट होता है कि निजी तौर पर प्रबंधित स्कूलों में एससी, मुस्लिम और ओबीसी श्रेणियों के लिए पुरुष नामांकन में वृद्धि हुई है, लेकिन एसटी श्रेणी के छात्रों के लिए यह स्थिर बना हुआ है। निजी तौर पर प्रबंधित स्कूलों में लड़कों और लड़कियों के बीच नामांकन का अंतर मुसलमानों को छोड़कर सभी सामाजिक समूहों के लिए लगभग 10 प्रतिशत अंक है। हालाँकि, आंकड़ों से पता चलता है कि एससी, एसटी, ओबीसी और मुस्लिम छात्रों में पुरुष छात्रों का अनुपात हमेशा उनकी महिला समकक्षों की तुलना में अधिक रहा है। इसके अलावा, एक दशक के समय में सरकारी और निजी तौर पर प्रबंधित संस्थानों में पुरुष और महिला नामांकन के बीच का अंतर बहुत कम नहीं हुआ है। विभिन्न प्रकार के कारक हमें मौजूदा मुद्दे को समझने में मदद कर सकते हैं। निजी तौर पर प्रबंधित स्कूलों में शिक्षा की बढ़ती प्रत्यक्ष लागत महिला नामांकन की मांग को कम कर सकती है। इस प्रकार, गरीबी का महिलाओं की शिक्षा तक पहुंच के साथ एक कारणात्मक संबंध है। सामाजिक दायित्व भी

बाधा बन सकते हैं। शिक्षा जारी रखने का निर्णय किसी छात्रा की रुचि, प्रदर्शन या क्षमता पर नहीं बल्कि कम उम्र में शादी पर निर्भर हो सकता है। महिला शिक्षा पर खर्च करना निवेश नहीं बल्कि उपभोग वस्तु माना जाता है। इस प्रकार परिवार स्वयं को महिला शिक्षा पर खर्च करने से रोकते हैं। यह धारणा कि बुढ़ापे में परिवार के सदस्यों की देखभाल करने के लिए बेटों पर भरोसा किया जा सकता है, स्कूली शिक्षा के विकल्पों में लैंगिक पक्षपात को जन्म देती है। इसके अलावा, परिवार अक्सर सोचते हैं कि शिक्षा महिलाओं को शादी के लिए अयोग्य बना सकती है। शिक्षा और नौकरी बाजार के बीच संबंध कमजोर होने के कारण परिवार भी शिक्षा के दीर्घकालिक लाभों को महसूस करने में असमर्थ हैं। इसलिए, महिला शिक्षा की लागत को अनुत्पादक निवेश माना जाता है। एक अन्य कारक जिसे निजी तौर पर प्रबंधित स्कूलों में कम महिला नामांकन के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, वह है आसपास के क्षेत्र में ऐसे स्कूलों की अनुपलब्धता। शिक्षा तक पहुंच में 'निकटता कारक' महत्वपूर्ण है। स्कूलों की अधिक दूरी के कारण परिवार अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं; परिणामस्वरूप, उनका नामांकन प्रभावित होता है। महिला शिक्षा लागत लोचदार है, जिसका अर्थ है कि लागत में परिवर्तन सभी सामाजिक श्रेणियों में लड़कियों के लिए शिक्षा की मांग को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। इसके परिणामस्वरूप, निजी तौर पर प्रबंधित स्कूलों में महिला नामांकन पर असंगत प्रभाव पड़ता है जिससे लैंगिक असमानताएं बनी रहती हैं। यह स्थिति लैंगिक न्याय को बढ़ावा देने वाले एक न्यायसंगत शैक्षिक वातावरण बनाने के लिए ठोस प्रयास की मांग करती है। हालाँकि, ध्यान स्थानीय स्तर पर मुद्दों को संबोधित करने पर होना चाहिए, जैसे कि सुनिश्चित करनादूरी की बाधाओं को कम करने के लिए नजदीकी स्कूलों की उपलब्धता। इसके अतिरिक्त, स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार समग्र महिला नामांकन को बढ़ाने की कुंजी होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि लिंग की परवाह किए बिना शिक्षा सुलभ रहे, सार्वजनिक स्कूलों में शिक्षण की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार की आवश्यकता है।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक
स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद

शीत लहर और प्रदूषण के बीच वैज्ञानिक संबंध

विजय गर्ग

शीत लहरें और प्रदूषण विभिन्न वायुमंडलीय, भौगोलिक और मानवीय कारकों से प्रभावित परस्पर जुड़ी हुई घटनाएँ हैं। यहाँ उनके पीछे का विज्ञान है:

1. शीत लहरें:

शीत लहर सामान्य से काफी कम तापमान की एक लंबी अवधि है, जो अक्सर वायुमंडलीय पैटर्न में व्यवधान के कारण होती है। ये घटनाएँ निम्न कारणों से घटित हो सकती हैं:

जेट स्ट्रीम पैटर्न: जेट स्ट्रीम, वायुमंडल में ऊपर की ओर तेजी से बहने वाली हवा का रिबन, घुमावदार हो सकता है, जिससे ठंडी ध्रुवीय हवा के गर्त बन सकते हैं जो निचले अक्षांशों तक उतरते हैं। इसे ₹ध्रुवीय भंवर₹ के रूप में जाना जाता है।

उच्च दबाव प्रणालियाँ: लगातार उच्च दबाव प्रणालियाँ सतह के पास ठंडी हवा को फँसा सकती हैं, जिससे कम तापमान लंबे समय तक बना रह सकता है।

बर्फ का आवरण और विकिरणीय शीतलन: बर्फ सौर विकिरण को परावर्तित करती है और सतह को ठंडा करती है, जिससे ठंड की स्थिति बढ़ जाती है। रात में, साफ आसमान और शांत हवाएं गर्मी को दूर कर सकती हैं, जिससे ठंड बढ़ सकती है।

जलवायु परिवर्तन: प्रतिकूल होते हुए भी, ग्लोबल वार्मिंग के कारण आर्कटिक में व्यवधान ध्रुवीय जेट स्ट्रीम को कमजोर कर सकता है, जिससे ठंडी आर्कटिक हवा दक्षिण की ओर बढ़ सकती है।

2. शीत लहर के दौरान प्रदूषण:

शीत लहरें प्रदूषण के स्तर को बढ़ा सकती हैं, खासकर शहरी क्षेत्रों में। ऐसे:

तापमान व्युत्क्रमण:

आम तौर पर, सतह के पास की हवा गर्म होती है और ऊपर उठती है, जिससे प्रदूषक फैल जाते हैं।

शीत लहर के दौरान, गर्म हवा की एक परत नीचे ठंडी हवा को फँसा सकती है (तापमान उलटा)। यह हवा के ऊपर की ओर मिश्रण को रोकता है, जिससे प्रदूषक तत्व जमीन के पास जमा हो जाते हैं।

बढ़ा हुआ उत्सर्जन:

ठंड के मौसम में अक्सर हीटिंग के लिए अधिक ऊर्जा की खपत होती है, जीवाश्म ईंधन और बायोमास जलने से उत्सर्जन बढ़ता है।

आवासीय तापन, वाहन और औद्योगिक प्रक्रियाएँ पार्टिकुलेट मैटर कार्बन मोनोऑक्साइड , और नाइट्रोजन ऑक्साइड (जैसे प्रदूषकों में योगदान करती हैं।

ख़राब वायु फैलाव:

ठंडी हवा सघन होती है और धीमी गति से चलती है, जिससे प्रदूषकों का फैलाव सीमित हो जाता है।

सीमित हवा वाले क्षेत्रों में, प्रदूषण कई दिनों तक बना रह सकता है, जिससे हवा की गुणवत्ता खराब हो सकती है।

3. प्रमुख प्रदूषक और स्वास्थ्य प्रभाव:

शीत लहरों और प्रदूषण के संयोजन के परिणामस्वरूप अक्सर उच्च सांद्रता होती है:

पार्टिकुलेट मैटर (पीएम): सूक्ष्म कण फेफड़ों में गहराई तक प्रवेश कर सकते हैं, जिससे श्वसन और हृदय संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

ओजोन (O): हालांकि आमतौर पर गर्मी का मुद्दा है, कुछ ठंड के मौसम की प्रक्रियाएं भी जमीनी स्तर पर ओजोन निर्माण में योगदान कर सकती हैं।

कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ): हीटिंग के दौरान अधूरा दहन सीओ स्तर को बढ़ा सकता है, जिससे मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा हो सकता है।

4. शमन रणनीतियाँ:

ऊर्जा दक्षता: इन्सुलेशन में सुधार और क्लीनर हीटिंग प्रौद्योगिकियों का उपयोग उत्सर्जन को कम करता है।

उत्सर्जन को विनियमित करना: शीत लहर अवधि के दौरान औद्योगिक गतिविधि और वाहन के उपयोग को सीमित करने से प्रदूषण को प्रबंधित करने में मदद मिल सकती है।

शहरी नियोजन: बेहतर वेंटिलेशन और हरित स्थानों वाले शहरों को डिजाइन करने से वायु परिसंचरण में मदद मिलती है।

मौसम की निगरानी: शीत लहरों का उन्नत पूर्वानुमान सरकारों और व्यक्तियों को प्रदूषण प्रभावों को कम करने और तैयार करने में मदद कर सकता है।

शीत लहरों और प्रदूषण के बीच परस्पर क्रिया पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर उनके संयुक्त प्रभावों को कम करने के लिए प्राकृतिक और मानवीय दोनों कारकों को संबोधित करने के महत्व पर प्रकाश डालती है।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक
स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर
मलोट पंजाब

वोडाफोन आइडिया के शेयरों ने मचाया धमाल, दो दिन में निवेशकों की करा दी चांदी; जानें कितनी आई तेजी

परिवहन विशेष न्यूज

पिछले एक साल में वोडाफोन आइडिया के शेयर करीब 50 फीसदी टूट चुके हैं। हालांकि बीते दो दिनों से इसमें जोरदार तेजी देखी जा रही है। इस दौरान टेलीकॉम कंपनी का शेयर करीब 19 फीसदी तक बढ़ गया। आज वोडाफोन आइडिया का स्टॉक अपने तीन महीने के उच्चतम स्तर तक भी पहुंच गया था। आइए जानते हैं वोडाफोन आइडिया के शेयरों का पूरा हाल।

नई दिल्ली। वोडाफोन आइडिया (Vi) के शेयरों ने बुधवार को भारी कारोबार के बीच BSE पर 11 फीसदी की तेजी के साथ 9.18 रुपये के तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। पिछले दो दिन में वोडाफोन आइडिया के शेयर में 19 फीसदी तक की उछाल आई है। यह 17 अक्टूबर, 2024 के बाद से अपने हाई लेवल पर था। हालांकि, फिर मुनाफावसूली के चलते कुछ करेक्शन हुआ। दोपहर करीब दो बजे तक वोडाफोन आइडिया के शेयर 6.30 फीसदी उछाल के साथ 8.77 पर ट्रेड कर रहे थे।

वोडाफोन आइडिया आदित्य बिड़ला ग्रुप और वोडाफोन ग्रुप की साझेदारी है। यह देश की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है। कंपनी के पास एक बड़ा स्पेक्ट्रम पोर्टफोलियो है, जिसमें 17 सर्किलों में मिड-बैंड 5G स्पेक्ट्रम और 16 सर्किलों में mmWave 5G स्पेक्ट्रम शामिल है। अपने नेटवर्क प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए, Vi ने हाल ही में अपने 4G और 5G नेटवर्क को स्मार्ट और अधिक कुशल बनाने के लिए HCL Technologies की सॉफ्टवेयर बिजनेस यूनिट HCL सॉफ्टवेयर के साथ साझेदारी की है।

कारोबार मजबूत करने की कोशिश में वोडा

वोडाफोन बोर्ड की पूंजी जुटाने वाली समिति ने 9 जनवरी, 2025 को 11.28 रुपये प्रति इक्विटी शेयर (1.28 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) के निर्गम मूल्य पर 10 रुपये प्रत्येक के अंकित मूल्य के 1,693 मिलियन इक्विटी शेयर, वीआई के प्रमोटरों, ओमेगा टेलीकॉम होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (1,084.6 मिलियन इक्विटी शेयर) और उषा मार्टिन टेलीमैटिक्स लिमिटेड (608.6 मिलियन इक्विटी शेयर) को तरजीही आधार पर कुल 1,909.95 करोड़ रुपये आवंटित किए।

हाल ही में टेलीकॉम टैरिफ में बढ़ोतरी से एवरेज रेवेन्यू पर यूजर (ARPU) में वृद्धि हुई है, लेकिन सितंबर तिमाही (Q2FY25) में वोडाफोन आइडिया का राजस्व मामूली रूप से बढ़ा। कंपनी को उम्मीद है कि टैरिफ वृद्धि का असर अगली दो तिमाहियों में ARPU और राजस्व में देखा जाना जारी रहेगा। हालांकि, कंपनी को उम्मीद है कि 4G कवरेज के विस्तार और प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों में 5G की शुरुआत के साथ Q4FY25 से ग्राहक आधार में वृद्धि होगी।

वोडाफोन आइडिया के शेयरों का हाल

वोडाफोन आइडिया के शेयरों ने पिछले एक साल में निवेशकों का भारी नुकसान कराया है। इसके स्टॉक में बीते एक साल के दौरान करीब 50 फीसदी की गिरावट आई है। पिछले 6 महीने में भी स्टॉक ने 47.24 फीसदी का रिटर्न दिया है। हालांकि, पिछले 1 महीने के दौरान इससे निवेशकों को 10 फीसदी से अधिक का मुनाफा हुआ है। खासकर, पिछले दो दिनों में वोडाफोन आइडिया के स्टॉक में 19 फीसदी का उछाल आया है। वोडाफोन आइडिया का मार्केट कैप 62.75 लाख करोड़ रुपये है।

VIL फिलहाल चुनिंदा क्षेत्रों में अपनी 5G सर्विसेज शुरू करने की प्रक्रिया में लगी हुई है। कंपनी का गठन 2018 में हुआ था, जब वोडाफोन ग्रुप पीएलसी ने अपने भारत कारोबार का आइडिया सेल्युलर के साथ विलय किया था। हाल ही में ब्रिटेन स्थित वोडाफोन समूह ने कहा कि उसने कंपनी इंडस टावर्स में शेष 3 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,800 करोड़ रुपये में बेच दी है।

चीन का ट्रेड सरप्लस लगभग एक ट्रिलियन डॉलर पहुंचा, जापान-अमेरिका जैसी निर्यात महाशक्तियों आगे निकला ड्रैगन

दुनिया को विभिन्न वस्तुएं निर्यात करने वाले चीन का ट्रेड सरप्लस लगभग एक ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। दरअसल वर्तमान में चीनी कारखाने वैश्विक मैन्यूफैक्चरिंग पर हावी हैं। कमोवेश यही स्थिति द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कई सालों तक अमेरिका की रही। मैन्यूफैक्चरिंग में चीन के एकाधिकार को देखते हुए अब विभिन्न देशों में आवाज उठने लगी है और वह वहां के सामान पर शुल्क लगाने लगे हैं।

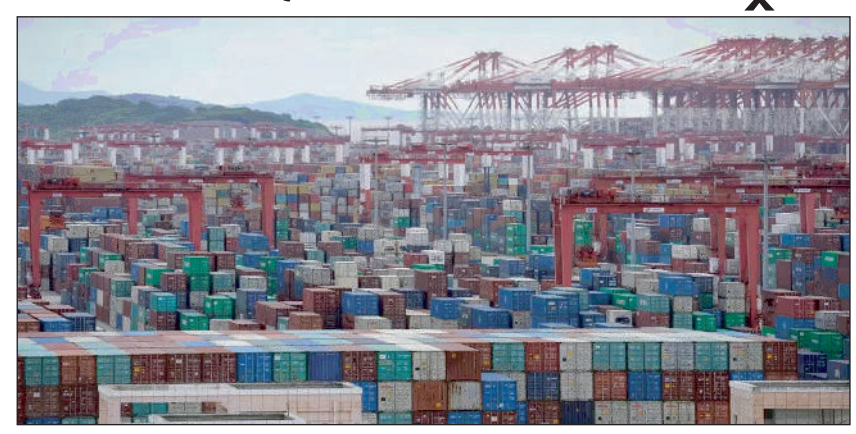

नई दिल्ली। दुनिया को विभिन्न वस्तुएं निर्यात करने वाले चीन का ट्रेड सरप्लस लगभग एक ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। अगर इस दौरान बढ़ी हुई मुद्रास्फीति को भी समायोजित कर दें तो पिछले साल चीन का ट्रेड सरप्लस पिछली शताब्दी में दुनिया के किसी भी देश के व्यापार अधिशेष से कहीं अधिक था। यहां तक की जर्मनी, जापान और अमेरिका जैसी निर्यात महाशक्तियों से भी अधिक है।

वर्तमान में चीनी कारखाने वैश्विक मैन्यूफैक्चरिंग पर हावी

दरअसल, वर्तमान में चीनी कारखाने वैश्विक मैन्यूफैक्चरिंग पर हावी हैं। कमोवेश यही स्थिति द्वितीय विश्व युद्ध के बाद कई सालों तक अमेरिका की रही। मैन्यूफैक्चरिंग में चीन के एकाधिकार को देखते हुए अब विभिन्न देशों में आवाज उठने लगी है और वह वहां के सामान पर शुल्क लगाने लगे हैं।

इसी तरह की कार्रवाई चीन ने भी उन देशों के खिलाफ की है। इससे दुनियाभर में ट्रेड वार की स्थिति उत्पन्न हो गई है। 2023 में चीन का ट्रेड सरप्लस 990 अरब डॉलर रहा जबकि 2022 में यह आंकड़ा 838 अरब डॉलर था। दिसंबर, 2024 में चीन के निर्यात में सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

ट्रंप के आने के बाद चीन के निर्यात में बढ़ोतरी

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार शुल्क लगाने की चेतावनी से उत्पन्न अनिश्चितता के बीच चीन के कारखानों ने ऑर्डरों को पूरा करने में तेजी दिखाई है, जिससे देश के निर्यात में बढ़ोतरी दर्ज की गई। अर्थशास्त्रियों ने दिसंबर 2024 में इसमें करीब सात प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था।

इस अकेले एक महीने के दौरान ट्रेड सरप्लस सबसे अधिक 104.80 अरब डॉलर रहा। मैन्यूफैक्चरिंग वस्तुओं में ट्रेड सरप्लस चीन की अर्थव्यवस्था का 10 प्रतिशत था। कई देश मैन्यूफैक्चरिंग वस्तुओं में ट्रेड सरप्लस चाहते हैं, क्योंकि कारखाने ना केवल रोजगार पैदा करते हैं बल्कि यह देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण होते हैं।

चीन दुनिया का सबसे बड़ा कार निर्यातक

मैन्यूफैक्चरिंग में चीन के दबदबे का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वह कारों के आयात से आगे बढ़कर जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे बड़ा कार निर्यातक बन गया है।

16 जनवरी को खुलेगा धमाकेदार आईपीओ, पैसा लगाने से पहले जानें पूरी डिटेल

स्टैलियन इंडिया रेफ्रिजरेटर और इंडस्ट्रियल गैसों और उनसे जुड़े प्रोडक्ट्स बेचती है। यह आईपीओ से 199.45 करोड़ रुपये जुटाएगी। स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स की शुरुआत 2002 में हुई थी। इसका मुकाबला नवीन फ्लोरिन इंटरनेशनल SRF और गुजरात फ्लूरोकेमिकल्स जैसी लिस्टेड फर्मों से होगा।

नई दिल्ली। स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स का आईपीओ (Stallion India Fluorochemicals IPO) 16 जनवरी को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसमें 20 जनवरी तक पैसे लगाए जा सकेंगे। यह कंपनी रेफ्रिजरेटर और इंडस्ट्रियल गैसों और उनसे जुड़े प्रोडक्ट्स बेचती है। स्टैलियन इंडिया आईपीओ से 199.45 करोड़ रुपये जुटाएगी। यह आईपीओ से मिले पैसों का इस्तेमाल कारोबार बढ़ाने के लिए करेगी।

Stallion India Fluorochemicals IPO

स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स के आईपीओ का प्राइस बैंड 85-90 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इस आईपीओ में 160.73 करोड़ रुपये की 1.79 करोड़ फ्रेश इक्विटी जारी की जाएगी। साथ ही, प्रमोटर शहजाद शेरियार रुस्तमजी ऑफर फॉर सेल (OFS) के जरिए 38.72 करोड़ रुपये के 43.02 लाख इक्विटी शेयर बेचेंगे। उनके पास स्टैलियन इंडिया में 94.6 फीसदी हिस्सेदारी है।

वहीं, गीतू यादव के पास पब्लिक शेयरहोल्डर के तौर पर 5.37 फीसदी हिस्सेदारी है। एंकर निवेशकों के लिए यह पब्लिक इश्यू 15 जनवरी को एक दिन के लिए खुलेगा। शेयरों का अलॉटमेंट 21 जनवरी को हो सकता है। वहीं, कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग के लिए संभावित तारीख 23 जनवरी है।

Stallion India कहां करेगी फंड का इस्तेमाल?

स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स आईपीओ से मिलने वाले पैसे में से 95 करोड़ रुपये का इस्तेमाल इंग्रीमेंटल वर्किंग कैपिटल जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। साथ ही, 50.3 करोड़ रुपये का इस्तेमाल सेमी-कंडक्टर और स्पेशियलिटी गैस डीबल्किंग और ब्लेंडिंग फैसिलिटी (खालापुर) और रेफ्रिजरेंट डीबल्किंग और ब्लेंडिंग फैसिलिटी (मम्बट्टू, आंध्र प्रदेश) में कैपिटल एक्सपेंडिचर के लिए किया जाएगा। बाकी फंड का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट कामकाज के लिए होगा।

Stallion India Fluorochemicals का कारोबार

स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स की शुरुआत 2002 में हुई थी। इसका मुकाबला नवीन फ्लोरिन इंटरनेशनल, SRF और गुजरात फ्लूरोकेमिकल्स जैसी लिस्टेड फर्मों से होगा। स्टैलियन इंडिया रेफ्रिजरेंट और इंडस्ट्रियल गैसों की डीबल्किंग, ब्लेंडिंग और प्रोसेसिंग करती है। यह पहले से भरे हुए कैन्स और छोटे सिलेंडरों या कंटेनरों की बिक्री भी करती है।

Stallion India का वित्तीय प्रदर्शन

वित्त वर्ष 2024 में स्टैलियन इंडिया नेट प्रॉफिट पिछले साल के मुकाबले 51.6 फीसदी बढ़कर 14.8 करोड़ रुपये हो गया। मार्च 2024 में खत्म वित्त वर्ष के दौरान रेवेन्यू में 3.4 फीसदी का इजाफा हुआ। यह 233.2 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2023 में यह 225.5 करोड़ रुपये था। वहीं, वित्त वर्ष 2022 में रेवेन्यू 185.9 करोड़ रुपये रहा था।

डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट जारी रही तो महंगा हो जाएगा जरूरत का सामान, बढ़ेगी परेशानी

परिवहन विशेष न्यूज

डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में गिरावट लगातार जारी है। मंगलवार को एक डॉलर का मूल्य रहा 86.57 रुपये रहा। रुपये की गिरावट इसी तरह जारी रही तो जरूरत का सामान महंगा हो जाएगा। इसका विपरीत असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा। आयात प्रधान देश होने से चालू खाते का घाटा भी बढ़ सकता है। अक्टूबर से अब तक रुपये में तीन प्रतिशत की गिरावट आई है।

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चतता और अमेरिका में सत्ता संभालने जा रही ट्रंप सरकार की संभावित नीतियों से डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट हो रही है। पिछले तीन महीनों में डॉलर के मुकाबले रुपये में तीन प्रतिशत की गिरावट हो चुकी है।

यह गिरावट कुछ और दिनों तक जारी रही तो वे सभी आइटम महंगे हो सकते हैं जिनके कच्चे माल के लिए हम आयात पर निर्भर है। वहीं, खाद्य तेल, दाल जैसे आइटम भी महंगे होंगे क्योंकि इनके लिए भी हम आयात पर निर्भर करते हैं। रुपए में गिरावट महंगाई के साथ हमारी अर्थव्यवस्था के विकास पर भी विपरीत असर डाल सकती है।

आयात बिल बढ़ा तो चालू खाते के घाटे को बढ़ाएगा

भारत एक आयात प्रधान देश है। इससे हमारा आयात बिल बढ़ेगा जो हमारे चालू खाते के घाटे को बढ़ाएगा। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल-नवंबर में भारत ने 284 अरब डॉलर का निर्यात किया तो इस अवधि में 486 अरब डॉलर का आयात किया गया। पेट्रोलियम पदार्थों की 80 प्रतिशत जरूरत की पूर्ति भी हम आयात से करते हैं। रुपए में गिरावट से ये आइटम भी महंगे हो सकते हैं।

मंगलवार को एक डॉलर का मूल्य रहा 86.57 रुपए

मंगलवार को एक डॉलर का मूल्य 86.57 रुपये बताया गया, जबकि 14 दिसंबर को यह मूल्य 84.80 रुपए था। एचडीएफसी बैंक की प्रमुख अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता के मुताबिक रुपये में हो रही इस गिरावट से खुदरा महंगाई दर एकदम से नहीं बढ़ेगी, क्योंकि खुदरा महंगाई दर को मापने वाले बास्केट में मुख्य रूप से घरेलू स्तर पर उत्पादित वस्तुएं व सेवाएं शामिल हैं।

रुपये में गिरावट का उपभोक्ताओं पर पड़ेगा असर

हालांकि रुपए में गिरावट जारी रहने पर आयातित माल की लागत बढ़ेगी और एक समय के बाद इसका भार उपभोक्ताओं पर डालना होगा। इससे खुदरा महंगाई बढ़ सकती है। कई दवा के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम व केमिकल्स के कच्चे माल के लिए भारत काफी हद तक आयात पर निर्भर करता है। दवा व इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम की बढ़ी लागत को कंपनियां एक समय तक ही बर्दाश्त कर सकती है।

रुपया गिरा तो निर्यातकों को फायदा

पेट्रोलियम पदार्थों के साथ खाद के लिए भी भारत लगभग पूरी तरह से आयात पर निर्भर है। रुपये में गिरावट से इन दोनों के आयात का बिल बढ़ेगा। हालांकि रुपये में गिरावट से निर्यातकों को फायदा होता है क्योंकि डॉलर में उनका माल सस्ता हो जाता है। लेकिन भारत में निर्यात होने वाले अधिकतर आइटम के कच्चे माल आयात किए जाते हैं।

अभी ब्याज दर में कटौती नहीं करेगा अमेरिका

कच्चे माल के महंगे होने पर उनकी लागत अधिक हो जाएगी और फिर उन वस्तुओं के निर्यातकों को भी कोई लाभ नहीं मिलेगा। जानकारों के मुताबिक अमेरिका ने यह साफ कर दिया है कि फिलहाल वहां ब्याज दरों में कटौती नहीं होने जा रही है।

आरबीआई के लिए खड़ी होगी यह मुश्किल

दूसरी तरफ ट्रंप सरकार सत्ता में आते ही डॉलर में मजबूती के लिए और कदम उठा सकती है। ऐसे में डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट की आशंका जारी रहेगी। ऐसे में जानकार कह रहे हैं कि फरवरी माह में आरबीआई के लिए ब्याज दरों में कटौती करना आसान नहीं होगा।

'छोटे कॉलेजों के ग्रेजुएट का बड़ा पैकेज मांगना सही नहीं', टेक प्रोफेशनल की वायरल पोस्ट पर मचा बवाल

परिवहन विशेष न्यूज

एक टेक प्रोफेशनल ने एक्स पर यह कहकर बड़ी बहस छेड़ दी कि प्रोग्रामिंग स्किल की कमी वाले टियर 500 कॉलेजों से ग्रेजुएट करने वालों के लिए 3.6 लाख रुपये का पैकेज वाजिब हैं। उनकी पोस्ट पर बड़ी बहस खड़ी हो गई है। कई यूजर नायर की बात कर रहे हैं तो कई 3.6 लाख रुपये के सालाना पैकेज को शोषण बता रहे हैं। आइए जानते हैं पूरा मामला।

नई दिल्ली। सोशल मीडिया फ्रेशर्स की सैलरी पर तीखी बहस का मुद्दा बन गई है। कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या भारत में एंट्री-लेवल रोल के लिए 3.6 लाख रुपये सालाना का पैकेज पर्याप्त है। एक टेक प्रोफेशनल अभिषेक नायर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर यह कहकर बड़ी बहस छेड़ दी कि प्रोग्रामिंग स्किल की कमी वाले 'टियर 500 कॉलेजों से ग्रेजुएट करने वालों के लिए 3.6 लाख रुपये का पैकेज वाजिब हैं। उनकी पोस्ट को 10 लाख से अधिक बार देखा गया है और इस पर लोग सैलरी, स्किल डेवलपमेंट और जॉब सेनेरियो के बारे में अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

नायर ने सैलरी पैकेज के बारे में क्या कहा?

टेक प्रोफेशनल अभिषेक नायर ने एक्स पर लिख, 'मेरी बात की कड़ी आलोचना हो सकती है, लेकिन यह कहना जरूरी हैः अगर आप टियर 500 कॉलेज से हैं और आपके पास प्रोग्रामिंग स्किल्स की कमी है, तो आपके लिए 3.6 लाख रुपये सालाना का पैकेज बुरा नहीं है। बिना किसी ठोस प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो के 1 करोड़ रुपये के पैकेज की उम्मीद न करें। अगर आपके सीवी की सबसे बड़ी खासियत आपकी बैचलर डिग्री है, तो आपका बहुत ज्यादा पैकेज की उम्मीद करना जायज नहीं है।'

नायर की टिप्पणी फ्रेशर्स के लिए ली थी, जो मिनिमम स्किल सेट और अचीवमेंट के साथ जॉब मार्केट में आते हैं। नायर ने जोर दिया कि अगर कोई बड़े पैकेज की उम्मीद करता है, तो उसके पास बड़ा स्किल सेट भी होना चाहिए।

नायर की राय पर बंटे यूजर

नायर की पोस्ट की रिप्लाई में बहुत-से यूजर्स ने अपनी राय जताई। उनमें से कई लोग नायर की बातों से सहमत थे। उनकी दलील थी कि रोजगार का स्किल सेट से गहरा नाता है। एक यूजर ने कमेंट किया, 'कई लो-टियर कॉलेजों को स्किल डेवलपमेंट पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। यह हैरान करने वाली बात है कि मुझे ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा है, जहां मैं 500 में से एक भी उम्मीदवार का चयन नहीं कर सका।"

एक अन्य यूजर ने पढ़ाई वालेज्ञान और प्रैक्टिकल एप्लीकेशन के बीच अंतर की बात की। उन्होंने कहा, "मैंने हाल ही में एक आईआईटी ग्रेजुएट का इंटरव्यू लिया। वह फिबोनाची हीप जैसे एडवांस कॉन्सेप्ट को जानता था, लेकिन वह उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने में नाकाम रहा। असल मुद्दा यह है कि कई छात्रों में एप्लीकेशन स्किल की कमी है, चाहे वे किसी भी कॉलेज में हों।"

3.6 लाख रुपये के पैकेज की आलोचना

कई यूजर ने मौजूदा आर्थिक हालात को देखते हुए 3.6 लाख रुपये के सालाना पैकेज की तीखी आलोचना की। एक यूजर ने कहा, ₹मुद्रास्फीति एक अहम मसला है! 2024 में एक फ्रेशर की सैलरी 2004 के समान नहीं हो सकती। आज 3.6 लाख रुपये सालाना पैकेज का ऑफर देना शोषण है।₹

कुछ यूजर ने इस बात पर भी एतराज जताया कि टॉप-टियर कॉलेज के ग्रेजुएट अपनेआप बड़े पैकेज के हकदार हो जाते हैं। एक यूजर ने लिखा, "मैं इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं हूं कि एक टियर 1 कॉलेज का छात्र 1 करोड़ रुपये का हकदार है और हमेशा टैलेंटेड होता है। सफलता या कौशल का आकलन किसी के संस्थान की रैंकिंग से नहीं किया जाना चाहिए।"

नायर ने स्पष्ट किया अपना रुख

हालांकि, आलोचनाओं के बीच नायर ने अपना रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि वह फ्रेशर्स को यह नहीं कह रहे हैं कि वो कम पैकेज में मान जाएं, बल्कि उनका कहना है कि हर किसी को अपना मूल्यांकन करना चाहिए। इससे उसे पता चल जाएगा कि वह अपनी स्किल सेट के हिसाब से कितना एनुअल पैकेज डिजर्व करता है।

नायर ने कहा, 'मैं किसी को कम पैसों में काम करने के लिए नहीं कह रहा हूं। अगर आपको लगता है कि आपको स्किल सेट के हिसाब कम पैसे मिल रहे हैं, तो आपको दूसरे ऑर्गनाइजेशन की तलाश करनी चाहिए।'

महंगा घर खरीदने का बढ़ रहा चलन, लग्ज़री घरों की बिक्री में 53 फीसदी का भारी उछाल

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में लग्जरी आवास क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। इसकी वजह यह है कि लोग आज आधुनिक सुविधाएं आराम और बेहतरीन परिवेश चाहते हैं। मुंबई में चार करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले घरों की बिक्री पिछले साल 4200 इकाई से बढ़कर 5500 इकाई हो गई। पुणे में इस श्रेणी में बिक्री 400 घरों से बढ़कर 825 घर हो गई।

नई दिल्ली। पिछले साल यानी 2024 में चार करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले लग्जरी घरों की अच्छी मांग देखने को मिली। देश के सात प्रमुख शहरों में इस श्रेणी के घरों की बिक्री 53 प्रतिशत बढ़कर 19,700 इकाई हो गई। कैलेंडर वर्ष 2023 में चार करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले घरों की बिक्री 12,895 इकाई रही थी।

इस श्रेणी के घरों की बिक्री 2024 के दौरान सबसे ज्यादा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर)-दिल्ली में 10,500 इकाई रही। जबकि, वर्ष 2023 में यह 5,525 इकाई थी।

रियल एस्टेट परामर्श कंपनी सीबीआरई के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के चेयरमैन और सीईओ अंशुमान मैगजीन ने कहा, 'आवासीय रियल एस्टेट बाजार मजबूत बुनियाद के आधार पर आगे बढ़ रहा है। उम्मीद है कि यह गति जारी रहेगी और आगामी तिमाहियों में बिक्री और नई आवासीय इकाइयों की पेशकश, दोनों स्थिर रहेंगी।'

इसके अलावा, मैगजीन ने कहा कि पारंपरिक रूप से मध्यम स्तर के विकास से जुड़े नोएडा, बेंगलुरु, पुणे और चेन्नई जैसे कई शहर तेजी से महंगे घरों की परियोजनाओं की ओर रुख कर रहे हैं। मुंबई में चार करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले घरों की बिक्री पिछले साल 4,200 इकाई से बढ़कर 5,500 इकाई हो गई। पुणे में इस श्रेणी में बिक्री 400 घरों से बढ़कर 825 घर हो गई, लेकिन बेंगलुरु में यह 265 घरों से घटकर 50 रह गई।

किफायती आवास परियोजनाओं पर टैक्स घटाने की मांग

रियल एस्टेट क्षेत्र के शीर्ष संगठन क्रेडाई ने सरकार को आगामी बजट में किफायती आवास परियोजनाओं पर आयकर की दर केवल 15 प्रतिशत तय करने का सुझाव दिया है। क्रेडाई ने कहा कि इससे कम लागत वाले मकानों की आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिनकी मांग सबसे अधिक है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक फरवरी को केंद्रीय बजट पेश करेंगी।

'कन्फेडरेशन आफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (क्रेडाई) ने अपने दिए सुझावों में किफायती आवास की परिभाषा में बदलाव, किफायती मकान बनाने के लिए रियल एस्टेट कंपनियों को कर में छूट तथा आवास ऋण पर व्यक्तियों द्वारा चुकाए जाने वाले मूलधन तथा ब्याज पर कटौती की सीमा बढ़ाना शामिल है। क्रेडाई 13,000 से अधिक डेवलपर का प्रतिनिधित्व करता है।

राष्ट्रगान और संवैधानिक मर्यादाएं ! (सम-सामयिक मुद्दा)

नया साल शुरू हो चुका है और छब्बीस जनवरी आने को है।नये साल की शुरुआत में और गणतंत्र दिवस के नजदीक हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और राज्यपाल आर.एन. रवि के बीच राष्ट्रगान को लेकर जो भी विवाद हुआ है, उसे किसी ही हाल और परिस्थितियों में ठीक नहीं कहा जा सकता है, यह बहुत ही शर्मनाक है कि देश के राष्ट्रगान को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि भारतीय संविधान के भाग

भाग IV में अनुच्छेद 51(क) जो मौलिक कर्तव्यों से संबंधित है, उसके अनुसार-'भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे।उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे।' कहना ग़लत नहीं होगा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रीय प्रतीकों का पालन करना हम सभी का नैतिक और संवैधानिक दायित्व है। देश के नागरिक होते हुए हमें हमारे देश के संविधान और संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करना चाहिए। विशेषकर जब बात नेताओं की आती है तो उन्हें तो संवैधानिक मर्यादाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए क्यों कि जनता उनको विश्वास के साथ चुनकर आगे भेजती है।उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत राष्ट्रगान का जानबूझकर अपमान या अवमानना करने पर 3 साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच राष्ट्रगान के मुद्दे पर यह टकराव केवल औपचारिक प्रक्रियाओं का मुद्दा मात्र ही नहीं है, अपितु यह संवैधानिक मर्यादाओं से भी जुड़ा हुआ है। पाठकों को बताता चलूं कि तमिलनाडु राजभवन ने विधानसभा के हालिया सत्र को संबोधित न करने के राज्यपाल आर.एन. रवि के फैसले को मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन द्वारा 'बचकाना' बताए जाने की आलोचना करते हुए हाल ही में यह कहा था कि 'इस तरह का अहंकार ठीक नहीं है।' गौरतलब है कि हाल ही में 7 जनवरी, 2025 को तमिलनाडु विधानसभा के उद्घाटन सत्र के दौरान, राज्यपाल आर.एन. रवि ने अचानक सभा छोड़ दी थी। वास्तव में, उन्हें सत्र के आरंभ में राष्ट्रगान न बजाए जाने पर आपत्ति थी, क्योंकि यह प्रोटोकॉल का उल्लंघन था। तथ्य यह भी है कि परंपरागत रूप से लगभग तीन दशकों से, तमिलनाडु विधानसभा राज्य के आधिकारिक गीत(राज्यगान) 'थाई वल्थु' से शुरू होती है और अंत में राष्ट्रगान बजता है। इसे बदलने की राज्यपाल की माँग को सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार ने हस्तक्षेप के रूप में देखा। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने राज्यपाल आर. एन. रवि के इस कदम को 'बचकाना' कहा, जिसके बाद राजभवन ने स्टालिन की टिप्पणी को 'अहंकारी' और 'संविधान के प्रति असम्मानजनक' करार दिया। राज्यपाल आर. एन. रवि ने मुख्यमंत्री स्टालिन पर बरसते हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह कहा है कि लोग देश और संविधान का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि 'स्टालिन ऐसे नेता हैं जो भारत को एक राष्ट्र नहीं मानते और उसके संविधान का सम्मान नहीं करते हैं।' तमिलनाडु के राज्यपाल ने यह बात कही है कि 'हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत सर्वोच्च माता है, और संविधान उसके बच्चों के लिए सर्वोच्च आस्था है।'इधर मुख्यमंत्री स्टालिन ने राज्यपाल पर यह आरोप लगाया है कि 'वो यह ₹पचा₹ नहीं पा रहे

हैं कि राज्य का विकास तेजी से हो रहा है।' यह भी उल्लेखनीय है कि सीएम एमके स्टालिन ने एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि 'राज्यपाल ने विधानसभा की परंपरा का उल्लंघन करने की परंपरा बना ली है। संविधान के अनुसार राज्य के राज्यपाल साल की शुरुआत में सरकार का अभिभाषण पढ़ते हैं, जो कि एक विधायी परंपरा का हिस्सा रहा है। उन्होंने इसका उल्लंघन करना एक परंपरा बना ली है।'वास्तव में, दोनों नेताओं के बीच यह कोई पहला विवाद नहीं है। बता दें कि राज्यपाल एन. रवि और सीएम स्टालिन के बीच वर्ष 2021 के बाद से ही खराब रिश्ते रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के बीच ऐसी खींचतान कई सालों से चलती आई है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 में, 'द्रविड़' शब्द को लेकर भी बवाल उठा था। तब द्रमुक ने आरोप लगाया था कि राज्यपाल द्रविड़ीय पहचान को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच बार-बार होने वाले ऐसे विवाद भारत के संघीय ढाँचे में राज्यपाल की भूमिका पर महत्वपूर्ण सवाल उठाते हैं। यह ठीक है कि राज्यपाल का पद संवैधानिक रूप से बहुत ही महत्वपूर्ण होता है, लेकिन किसी भी राज्य के राज्यपाल को राजनीतिक रूप से तटस्थ और सहयोगी होना चाहिए। कहना ग़लत नहीं होगा कि इसकी अनुपस्थिति में राज्य के संवैधानिक तंत्र का सुचारु संचालन संभव नहीं हो सकता है। सच तो यह है कि राजनीतिक विवादों से जहां एक ओर देश की गरिमा को ठेस पहुंचती है वहीं दूसरी ओर इससे शासन भी कहीं न कहीं बाधित होता है। ऐसा होने से लोकतांत्रिक संस्थाओं में आमजन के विश्वास का भी खतरा कहीं न कहीं अवश्य ही पैदा होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि मुख्यमंत्री को भी यह चाहिए कि वह राज्यपाल का पूरा मान-सम्मान करे और संवैधानिक मर्यादाओं से परे हटकर कुछ भी नहीं करे। दोनों नेताओं के बीच आपसी आरोप-प्रत्यारोप का यह दौर थमना चाहिए, क्यों कि ऐसे बयानों से देश की गरिमा के साथ ही साथ राजनेताओं की गरिमा पर भी व्यापक असर पड़ता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि, राष्ट्रगान और राज्यगान के क्रम का भी अपना-अपना प्रतीकात्मक(सिंबोलिक) महत्व भी है।वहीं दूसरी ओर राज्य की स्वायत्तता और सांस्कृतिक गर्व का भी अपना महत्व है। राजनीति में मर्यादा, संयम बहुत ही जरुरी और आवश्यक है और दोनों ही पक्षों को यह चाहिए कि वे पूरे संयम और धैर्य से काम लें। राष्ट्र गान का इस्तेमाल किसी भी सूरत में राजनीति के लिए नहीं किया जाना चाहिए। सच तो यह है कि औपचारिक भूमिकाओं का किसी भी हाल और परिस्थितियों में राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों का न केवल देश के आम आदमी और राजनेताओं द्वारा पालन किया जाना चाहिए बल्कि हर किसी को इन प्रावधानों का अक्षरशः पालन करना चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे देश का संविधान मूल सिद्धान्तों का एक समुच्चय है, जिससे कोई राज्य या अन्य संगठन अभिशासित होते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि संविधान लिखित रूप में वह विधि है जो किसी राष्ट्र के शासन का आधार है; उसके चरित्र, संगठन, को निर्धारित करती है तथा उसके प्रयोग विधि को बताती है, तथा यह राष्ट्र की परम विधि है। अब जरूरत इस बात की है कि आपसी मतभेदों को संवाद, सौहार्द, आपसी मेलजोल की भावना से खत्म किया जाए। कहना ग़लत नहीं होगा कि राजनीतिज्ञों को यह चाहिए कि वे आपसी सम्मान के दरवाजे हमेशा खुले रखें। इतना ही नहीं, केंद्र सरकार की भी यह ज़िम्मेदारी बनती है कि वह यह सुनिश्चित करे कि राज्यपालों की नियुक्तियाँ राज्य की राजनीति में किसी भी सूरत में कभी भी आपसी टकराव, आरोप प्रत्यारोप आदि का स्त्रोत न बनें। तमिलनाडु में ही नहीं इधर महाराष्ट्र के संभाजीनगर में धर्मगुरु रामगिरि ने भी एक बार फिर विवादित बयान दिया है।उन्होंने कहा कि 'जन, गण, मन...' की बजाय वंदे मातरम हमारा राष्ट्रगान होना चाहिए।साथ ही, रामगिरि ने महान कवि रबींद्रनाथ टैगोर की आलोचना भी की है। रामगिरि महाराज ने यह बात कही है कि 'राष्ट्रगान भारत के लोगों के लिए नहीं था, इसलिए भविष्य में हमें इसके लिए भी संघर्ष करना होगा और वंदे मातरम्हमारा राष्ट्रगान होना चाहिए।' धर्म गुरू हो या राजनीतिक दल का कोई भी व्यक्ति या कोई भी अन्य, हर किसी को यह चाहिए कि वे राष्ट्र गान का पूरा मान-सम्मान करे। सच तो यह है राष्ट्रगान देश प्रेम से परिपूर्ण एक ऐसी संगीत रचना है, जो हमारे भारत देश के इतिहास, इसकी सभ्यता, इसकी संस्कृति और इसकी प्रजा के संघर्ष की व्याख्या करती है। यह हमारे देश भारत की 'विविधता में एकता' की भावना को व्यक्त करता है।बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि हमारे देश का राष्ट्रगान हमारे देश की अखंडता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।इसे किसी राजनीतिक लाभ के लिए विवाद का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि राष्ट्रगान और राज्यगान के बीच टकराव जैसी अप्रिय स्थिति पैदा न होने पाए, क्यों कि दोनों की ही अपनी अपनी-अपनी गरिमा और सम्मान है। एक दूसरे का सम्मान ही तो वास्तव में भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना और मूल तत्व है।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

नौ सांसदों के साथ द०पु० रेल जी एम टाटानगर मे की बैठक टाटानगर स्टेशन का विकास 319 करोड़ रुपए से होगा

कार्तिक परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

जमशेदपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे के रेल जी एम अनिल कुमार मिश्रा ने सोमवार को जमशेदपुर के हाईवे के एक होटल में झारखंड और बंगाल के 9 सांसदों के साथ बैठक कर यात्री सुविधाओं पर चर्चा की. इस बीच रेल जीएम ने साफ कहा कि रेलवे की ओर से यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी करने का काम रेलवे स्टेशनों पर किया जा रहा है. बैठक में रांची और चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम भी मौजूद थे. रेल जीएम ने कहा कि टाटानगर स्टेशन का विकास 319 करोड़ रुपये से होने वाला है. इसके लिए टेंडर भी निकाला गया है. जीएम ने कहा कि आदित्यपुर स्टेशन पर अब प्लेटफार्मों की संख्या 5 हो गई है. यहां का काम 21 जनवरी तक पूरी कर ली जाएगी. प्लेटफार्मों की लंबाई भी 600 मीटर कर दिया गया है.जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि उन्होंने रेल जीएम से टाटा से जयपुर और टाटा से दिल्ली के लिए अलग से ट्रेन चलाने की मांग की है. साथ ही टाटा से रांची भाया नामकुम होकर नई रेलवे लाईन बिछाकर झारखंड के यात्रियों को सेवा देने की मांग की. साथ ही चांडिल, बोड़ाम, पटमदा और बांदुवान होते ही नई रेलवे लाइन बिछाकर पिछड़े क्षेत्र के यात्रियों को भी ट्रेनों का लाभ देने की मांग की है. इसके अलावा बंगाल के सांसदों ने भी अपने स्तर से ट्रेनों संबंधी मांगों को लेकर बातें रखीं।

बैठक में पूर्वी सिंहभूम के सांसद विद्युत वरण महतो, खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा पश्चिम सिंहभूम के सांसद जोबा मांझी, लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत, छात्र के सांसद कालीचरण सिंह, राज्य सभा सांसद आदित्य साहू आदि उपस्थित थे।

केंद्र सरकार के कैलेंडर मे ओड़शिा की फुलबाणी के तुला बेहरा की तस्वीर

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: इस साल केंद्र सरकार द्वारा जारी वार्षिक कैलेंडर में फुलबाणी के तुला बेहरा की तस्वीर है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ भीख मांगते हुए फूलबाणी के तुला बेहरा की तस्वीर केंद्र सरकार के कैलेंडर में छपी है।कैलेंडर के पहले पन्ने यानी जनवरी पन्ने पर तुला बेहरा और मोदी की तस्वीरें हैं।यह देखकर तुला बेहरा खुश हुईं और उन्होंने प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। तुला ने भीख मांगकर बचाये एक लाख रुपये स्थानीय जगन्नाथ मंदिर को दान कर दिये। यह खबर प्रदेश और देश भर में चर्चा की खबर थी। उस समय आम चुनाव चल रहे थे और प्रधानमंत्री मोदी फूलबाणी में प्रचार करने आये थे। इस अभियान के दौरान स्टेडियम में आयोजित चुनावी सभा में प्रधानमंत्री ने खुद तुला बेहरा को सम्मानित किया था।

जो उस वक्त भी चर्चा का विषय था। प्रधानमंत्री ने तुला से बात की। मंदिर को दान देने के बाद मंदिर समिति ने तुला के लिए मंदिर परिसर में एक घर में रहने की व्यवस्था की, जबकि तुला ने प्रधानमंत्री से शहर के सभी भिखारियों और निराशावादियों के लिए सभी सुविधाओं वाला एक घर बनाने का भी अनुरोध किया।

डबल डेकर बस बिजली के तारों में आने से चपेट , जिसका अंदेशा था वही हुआ

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर : जिसका अंदेशा था वही हुआ। डबल डेकर बसें शुरू से ही भुवनेश्वर में लोकप्रिय रही हैं। बिजली लाइनों के कारण एक डबल डेकर बस स्थिर हो गई। अब गाड़ी को मरम्मत के लिए गैराज में रखा गया है।जानकारी के मुताबिक, बस जब भुवनेश्वर से खुर्दा रूट पर जा रही थी तो अचानक बिजली के तार के संपर्क में आ गई।करंट प्रवाह के कारण वाहन के सर्किट में खराबी देखी गई है। परिणामस्वरूप, इस मार्ग पर डबल डेकर बंद कर दी गई हैं। भुवनेश्वर स्मार्ट जनपथ को छोड़कर, अधिकांश सड़कें चौड़ाई में अपेक्षाकृत संकीर्ण हैं। नतीजतन, इन सड़कों पर डबल डेकर बसों के आवागमन में दिक्कत हो रही है। इसके अलावा राजधानी की ज्यादातर सड़कों पर ट्रैफिक जाम है। इसी तरह, भुवनेश्वर में विभिन्न प्रमुख सड़कों पर पेड़ लगे हुए हैं। ऐसे में क्रुट द्वारा डबल डेकर बस खरीदे जाने की आशंका पहले से ही थी। आज डर सच हो गया। फिलहाल पुरी और भुवनेश्वर रूट पर 5 बसें चल रही हैं। बसें चलाने से पहले इन सभी रूटों का सर्वे किया गया। अचानक बिजली का तार बज उठा। सर्वे को लेकर सवाल उठाया गया है। वहीं क्रुटा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सड़क की सर्विसिंग के लिए गैराज खोला गया है। सवाल यह है कि क्या गाड़ी को 5 दिन चलने के बाद ही सर्विसिंग की जरूरत पड़ती है।

दाम्माईगुड़ा स्थित रामपल्ली में शर्मा परिवार द्वारा आयोजित पतंग उत्सव में भाग लेते विकास शर्मा शर्मा , आनंद शर्मा, ओमप्रकाश जाट गुमानसिंह कानाराम जांगीड़ रामसिंह जाट राम कुमार जांगिड़ कपिल शर्मा रेखा देवी कांता देवी मधु शर्मा शुभम शर्मा, कमलेश ग़ौटीया गौतम शर्मा, आदित्य शर्मा महावीर सिंह आलोक शर्मा एवं अन्य।

सधवा मिर्गीचिंड़ा को विधवा बना डाला, झारखंड संस्कृति विभाग मौन ?

विश्व का एकमात्र ऐतिहासिक महिला मेला की जानकारी सरायकेला पर्यटन को नही

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड- झारखंड

सरायकेला , सरायकेला यानी 16 कलाओं का विश्वप्रसिद्ध शहर इस ऐतिहासिक पूर्व देशी रियासत मुख्यालय का नैसर्गिक व मनोरम स्थल मिरगीचिंडा को विगत 25-30 वर्षों में नोच नोच कर उसे सधवा को विधवा बना डाला गया जहां सरायकेला पर्यटन कार्यालय को अब भी होस नहीं, यह आश्चर्य परन्तु सोलह आने सत्य ! मकर संक्रांति के ठीक बाद यहां लगने वाली ऐतिहासिक विश्व प्रसिद्ध मिर्गीचिड़ा मेला बंद हो चुका है ,जो देशीय राज्य भारतीय अधिराज्य में विलय के बाद ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण के नाम हुए उस महत्वपूर्ण दस्तावेज ₹इंस्ट्रूमेंट आफ एक्ससन ₹ का धज्जियां उडाता है , पर सरायकेला पर्यटन विभाग को आजतक यह सबकुछ दिखा ही नहीं है !!

खरखाई नदी के बीचों बीच सुरम्य मनोरम मिर्गीचींडा जहां कभी राजमहल से रानियां संग बिहार, बंगाल, ओडिशा से महिलाएं यहां विश्व की उस महिला मेला में आती थी । उक्त मनोरम स्थल पर जल के बीच भगवान शिव का लिंग , भगवान की चटाई, जोड़ा नगाड़ा, हाथी मांद - विल्ली मांद ,चांद , सुरज प्राकृतिक परिवेश में बने थे । इतना ही नहीं यहां विश्वप्रसिद्ध सरायकेला छऊ का रियाज के अनेकों दृश्य भी अनमोल रहे जो विदेशो में जा कर ख्याती बटोरी थी 40,50वरष पूर्व । हां ,कभी यहां दर्जन दर्जन भर विदेशो शैलानी भी आते थे ।दृश्य विदेशी देखते थे ।

जिसे बिहार ,एवं झारखंड सरकार के गैर जिम्मेदाराना हरकत के कारण आज उजाड़ा कर रख दिया गया है । यहां लगने वाली संभवत विश्व का एकमात्र ऐतिहासिक महिला मेला में शिरकत करने केवल सरायकेला, खरसावां नहीं दुर दराज राज्यों से चाहत होती थी । जहां मकर के बाद शनिवार को लगने वाली महिला मेले में केवल महिलाएं ही आती थी । पुरूष वर्जित थे , सैकड़ों की संख्या में महिलाएं इसलिए शिरकत करती थी कि मनोरम दृश्य होता था । एक महत्वपूर्ण पहलु यह था कि यहां आई लड़कियों को एक अन्य परिवार देख घर की बहु हेतु पसंद किया करते थे । फिर उत्तरायण समय होने के साथ शादी की बात चलती थी । जिस मर्यादा को राजकीय प्राथमिकता के साथ सरायकेला स्टेट की तरफ से निभाया जाता था । आज इसकी प्राकृतिक परिवेश में चट्टानों को उखाड़ क्रेसर के मुंह में डाल दिया गया है । दूसरी तरफ झारखंड के मुख्यमंत्री स्वयं हेमंत सोरेन पर्यटन को बढ़ावा देने की मुहिम छेड़े हुए है उधर सरकारी अधिकारियों की उदासीनता के कारण विश्व का क्षितिज पर चमकने वाला सरायकेला शहर का यह ऐतिहासिक धरोहर विनाश के गर्भ में समा रहा है । सरायकेला को उड़ीसा में रखने हेतु जिस महत्वपूर्ण एग्रीमेंट के तहत सरदार पटेल तथा राजा के बीच इकरारनामा हुआ था उसमें मिर्गीचींडा जैसे प्राकृतिक परिवेश पर लागु क्यों नहीं होता आज यह चौंकाने वाली बात । कारण आज भी ओडिशा की कुछ महिलाएं इस बात को पुछती है ।

महत्वपूर्ण बात यह कि झारखंड सरकार की जिस पर्यटन ईकाई सरायकेला में काम कर रही है उसे सरायकेला के विषय में कुछ जानकारी है ही नहीं । ऊपर से सरकार के आला अधिकारियों, मंत्रियों का पर्यटन के स्थानीय निकाय पर कोई अंकुश ही नहीं है ।वे जो जानकारी परोसते हैं वह बेहद हास्यास्पद होती है ।

निधि खरे को अतिरिक्त प्रभार मिलने से झारखंड में उत्साह

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड -झारखंड

रांची। बिहार एवं झारखंड सरकार में प्रतिष्ठित अधिकारी रही निधि खरे को अब एक ओर मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार मिलने से झारखंड के लोग काफी उत्साहित हैं ।सन 1996 में बिहार का पशुपालन घोटाले का उद्भेदन उनके पति अमित खरे ने सिंहभूम जिले के चाईबासा में की थी तब निधि खरे उसी जिले के एक अनुमंडल सरायकेला में एस डी एम के पद पर तैनात रही । सच तो यह है कि उस समय सिंहभूम के लिए स्वर्णिम रहा जहां खरे दंपति को अपार इज्जत मिली ।

केंद्र सरकार ने उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे को मंगलवार को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। खरे को नियमित नियुक्ति या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, तक तत्काल प्रभाव से एमएनआरई का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

सरकार की ओर से मंगलवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने तत्काल प्रभाव से इस नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। निधि खरे नियमित पदधारी की नियुक्ति या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, इस पद पर कार्यरत रहेंगी।

आधिकारिक आदेश के मुताबिक भारत सरकार ने 1992 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी निधि खरे को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया है। खरे को उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत उपभोक्ता मामले विभाग में सचिव के रूप में उनकी वर्तमान क्षमता में यह अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। बताते चलें कि उनके पति अमित खरे को उनकी ईमानदारी की वजह से सेवानिवृत्त पूर्व वरीय होते हुए भी झारखंड का मुख्यसचिव नहीं बनाया गया था। जिनके कार्रवाई के चलते तत्कालीन बिहार के मुख्यमंत्री लालू यादव, चाईबासा के पूर्व उपायुक्त स्व सजल चक्रवर्ती को जेल की हवा खानी पड़ी थी , स्व चक्रवर्ती को कालान्तर मे हेमंत सरकार ने झारखंड के मुख्यसचिव पद पर आसिन कराया था । उसके बाद अमित खरे को केन्द्र में मोदी सरकार ने उनकी सेवा विस्तार देते हुए महत्वपूर्ण पद से आज भी बनाए हुए है ।

उल्लेखनीय है कि मणिपुर सरकार के अनुरोध पर प्रशांत कुमार सिंह को उनके मूल कैडर में वापस भेजे जाने के बाद यह पद रिक्त हो गया था। वहीं, सिंह को मणिपुर का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है, जहां मई, 2023 में कुकी और मैतेई समूहों के बीच पहली बार झड़प के बाद से जातीय हिंसा हो रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023